RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 352 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 10 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मुलायम सिंह यादव के एक फैसले ने बढ़ाया शहीदों का सम्मान

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व यूपी के तीन बार मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव का आज निधन हो गया है। उनके निधन पर देशभर में शोक का माहौल है। राजनीति के दिग्गज उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके योगदान को याद कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं मुलायम सिंह यादव के एक फैसले ने शहीदों को सम्मान बढ़ाया है। आज हम आपको बता रहे हैं मुलायम सिंह यादव के उस फैसले के बारे में जिसने सेना के जवानों का सम्मान बढ़ाया।

देश की राजनीति की अहम कड़ी रहे मुलायम सिंह यादव ने 50 वर्षों से भी अधिक समय तक सक्रिय राजनीति की। वे तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहने के साथ ही 1996 से 1998 के बीच देश के रक्षा मंत्री भी रहे। रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने शहीद सैनिकों के लिए बड़ा फैसला किया। शहीद सैनिकों के शवों को सम्मान के साथ घर पहुंचाने का निर्णय मुलायम सिंह यादव का ही था। रक्षामंत्री रहते हुए उन्होंने यह बड़ा फैसला किया था।

मुलायम सिंह यादव ने फैसला लिया था कि शहीद जवान का शव पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके घर पहुंचाया जाएगा और डीएम और एसपी शहीद जवान के घर जाएंगे। इस फैसले से पहले सीमा पर यदि कोई जवान शहीद होता था, तो उनका शव घर पर नहीं पहुंचाया जाता था. उस समय तक शहीद जवानों की टोपी उनके घर पहुंचाई जाती थी। यही नहीं मुलायम सिंह यादव के रक्षा मंत्री रहते हुए भारत ने सुखोई-30 लड़ाकू विमान की डील की थी।

एक नजर मुलायम सिंह के राजनीतिक सफर पर

मुलायम सिंह यादव का जन्म 22 नवंबर 1939 को यूपी के इटावा जिले में हुआ था। वो राममनोहर लोहिया के विचारों से काफी प्रभावित थे और इन्हीं के कारण राजनीति में आए। मुलायम सिंह यादव 10 बार विधायक और 7 बार सांसद रहे हैं। 1967 में वे पहली बार विधायक बने। अक्टूबर 1992 में उन्होंने जनता दल से अलग होकर समाजवादी पार्टी बनाई जो कि उनके लिए बड़ा निर्णय साबित हुआ। मुलायम सिंह यादव 1989 से 1991, 1993 से 1995 और 2003 से 2007 तक तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। 1996 से 1998 के बीच देश के रक्षा मंत्री रहे।

पीएम मोदी ने कहा- उनके विचार जानने को हमेशा तत्पर रहता था

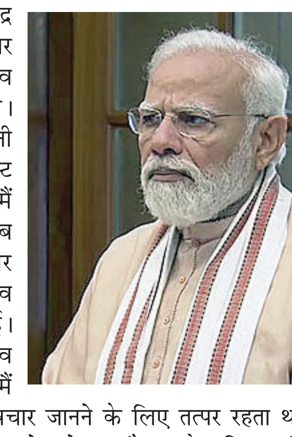

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं। लिखा- जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मेरी कई बार मुलायम सिंह यादव जी से बातचीत हुई। हमारा करीबी जुड़ाव चलता रहा और मैं हमेशा ही उनके विचार जानने के लिए तत्पर रहता था। मुलायमजी के निधन से मुझे दुख है। उनके परिवार और लाखों समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जताया दुख

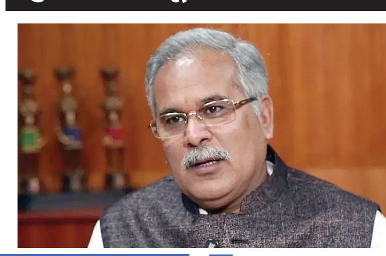

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुलायम सिंह यादव के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि समाजवादी नेता और उत्तर प्रदेश के धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव 'नेता जी' के निधन का समाचार भारतीय लोकतांत्रिक नींव के एक पत्थर के ढह जाने जैसा है। यूपी के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्होंने जनता की सेवा की. वे आजीवन सांप्रदायिकता के खिलाफ खड़े रहे।

खास खबर

दो मंजिला इमारत ढहने से चार साल की बच्ची समेत तीन की मौत, बरसाती नाले में डूबे 6 बच्चे

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बारिश लोगों पर सितम ढहा रही है। रविवार देर रात हुए दो दर्दनाक हादसों में 9 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 7 बच्चे शामिल है। दिल्ली के लाहौरी गेट के पास रविवार रात दो मंजिला इमारत ढह गई। बारिश की वजह से हुए इस हादसे में चार साल की एक बच्ची समेत 3 की मौत हो गई। चार लोग अभी भी फंसे हैं।

बरसाती तालाब में डूबने से 6 बच्चों की मौत

इधर दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बरसाती तालाब में डूबने से 6 बच्चों की मौत हो गई। सभी बच्चे बारिश की वजह से बने तालाब में नहाने उतरे थे। इन सभी के शव मिल गए हैं। मरने वालों की उम्र 8 से 13 साल के बीच है। मौसम विभाग ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में पूरे अक्टूबर में बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अफसरों का कहना है कि लगातार बारिश से तापमान में काफी गिरावट आई है।

बाघ के खाल के साथ कांकेर पुलिस ने पकड़े दो तस्कर

कांकेर। कांकेर पुलिस ने बाघ के खाल की तस्करी करने वाले तस्करों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने राष्ट्रीय पशु बाघ के खाल की तस्करी करने वाले दो तस्करों को खाल के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही स्कार्पियो गाड़ी भी जब्त किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस दोनों आरोपी को ग्राम पुरियारा के पास पुल से गिरफ्तार किया है। आरोपी खाल को बेचने के फिराक में थे। पुछताछ में आरोपियों ने अपने साथ और भी आरोपियों को संलिप्त होना बताया है जिन्हें पुलिस ट्रेस कर रही हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पकड़े गए आरोपिओं में एक कांकेर जिले व एक धमतरी जिले का निवासी हैं। वहीं जब्त किए गए बाघ की खाल की किमत 50 लाख रूपए बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक स्कार्पियो जिसकी कीमत 15 लाख व मोबाइल फोन जिसकी कीमत 20 हजार रूपए को जब्त किया है।

छत्तीसगढ़ में 5G : मार्च से शुरू होगी सेवा टॉप टेलीकॉम कंपनियों से शुरू किया सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। फास्ट इंटरनेट सर्विस 5जी की लॉन्चिंग के बाद छत्तीसगढ़ के लोगों को भी इसका इंतजार है। जल्द ही लोगों का यह इंतजार खत्म होने वाला है। देश के प्रमुख शहरों में इस सेवा को शुरू कर दिया गया है लेकिन छत्तीसगढ़ में अभी तक इसकी सेवाएं नहीं मिल रही है। अब इससे जुड़ा ताजा अपडेट सामने आया है। टॉप टेलीकॉम कंपनी जियो व एयरटेल मार्च 2023 से छत्तीसढ़ में भी 5जी सेवा शुरू कर देंगे। इसके लिए सर्वे का काम शुरू हो गया है। सबसे पहले राजधानी रायपुर, दुर्ग व बिलासपुर को प्रायोरिटी में रखा गया है।

5जी की लॉन्चिंग के बाद जिओ ने इस सेवा को शुरू करने के लिए देश के 100 शहरों की सूची बनाई है और इसमें छत्तीसगढ़ की राजधनी रायपुर के साथ ही दुर्ग-भिलाई व बिलासपुर को भी शामिल किया है। जियो ने तो राजधानी रायपुर में इसके लिए सर्वे भी शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि 5जी नेटवर्क के लिए उपकरणों का इंस्टॉलेशन अगले माह से शुरू कर दिया जाएगा। दो माह तक यह काम हो गया और इसके बाद जनवरी में टेस्टिंग की जाएगी। सब कुछ ठीक रहा तो मार्च में छत्तीसगढ़ के इन तीनों शहरों में 5जी सेवा शुरू कर दी जाएगी।

जियो के छत्तीसगढ़ में एयरटेल भी 5जी की तैयारियों में लगा हुआ है। कंपनी सूत्रों की माने तो एयरटेल भी मार्च 2023 में ही अपनी 5जी सेवा भी शुरू कर देगा। एयरटेल भी इसके लिए तेजी से काम कर रहा है। कंपनी अपने 4 जी टॉवरों को अपग्रेड कर रहा है। जरूरत के अनुसार नए टॉवर लगाने की तैयारी भी की जा रही है। एयरटेल का प्लान छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख शहरों में एक साथ 5जी सर्विस देने का है। और इसी दिशा में काम भी हो रहा है।

इंटरनेट स्पीड हो जाएगी 10 गुना तेज

5जी शुरू होने के बाद इंटरनेट यूजर्स के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। वर्तमान में लोगों को 4जी में अधिकतम 100 एमबीपीएस स्पीड मिल रही है लेकिन 5जी की स्पीड 10 जीबीपीएस तक पहुंच जाएगी। इसके शुरू होने के बाद तीन घंटे की फिल्म भी चंद सेकेंड्स में ही डाउनलोड हो जाएगी। 5जी सेवा शुरू होने के बाद भी 4जी व 3जी सेवाएं शुरू रहेंगी। अभी कुछ निजी कंपनियां 4जी व बीएसएनएल 3जी सेवाएं दे रहा है।

यूपीएससी ने जारी किया 52 पदों पर वेकैंसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने औषधि निरीक्षक, वैज्ञानिक 'बी (दस्तावेज), सहायक वास्तुकार, वरिष्ठ डिजाइन अधिकारी ग्रेड-1 (इंजीनियरिंग), वैज्ञानिक 'बी (फॉरेंसिक नारकोटिक्स), वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (बैलिस्टिक्स) और सहायक प्रोफेसर (आयुर्वेद) पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती के जरिए कुल 52 पदों को भरा जाएगा। संबंधित स्ट्रीम में स्नातक से लेकर मास्टर डिग्रीधारक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इनमें से कुछ पदों के लिए 3 से 5 साल का कार्य अनुभव भी मांगा गया है। नोटिफिकेशन अवश्य पढ़ें।

आयु सीमा

इन पदों के लिए आवेदन करते वक्त अभ्यर्थियों की आयु 30 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी अभ्यर्थियों को केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट मिलेगी।

27 अक्टूबर अंतिम तिथि

अभ्यर्थी वेबसाइट upsconline.nic.in पर लॉगिन कर 27 अक्टूबर (रात 11.59 बजे) तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क के रूप में सामान्य, ओबीसी, ईडब्लयूएस पुरुष अभ्यर्थियों को 25 रुपए भरने होंगे। एससी, एसटी, दिव्यांग और महिला अभ्यर्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

दरोगा का दबंगई : बनियान-बरमुड़ा से पहुंच गए बिजली ऑफिस, जेई को जड़ दिया थप्पड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोज जिले में बिजली गुल होने से यहां के एक दरोगा को इतना गुस्सा आया कि वह बनियान व बरमुड़ा पहले बिजली ऑफिस पहुंच गए। दबंगई दिखाते हुए यहां के जेई को थप्पड़ रसीद कर दिया। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं घटना की जानकारी मिलते हुए एसपी ने दरोगा को सस्पेंड कर दिया है। यह पूरी घटना मामला लोहारा थाना क्षेत्र के मंगचुवा चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा कांड शनिवार देर शाम का है। शनिवार को शाम 6 बजे से भंवरमरा से जुन्नापानी के बीच 33 केवी लाइन में ब्रेकडाउन लिया गया। इसकी वजह से कारण मंगचुवा सहित कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई थी। इस बीच मंगचुवा चौकी प्रभारी एएसआई दुलारू राम भांडेकर अपने सहकर्मियों के साथ बिजली ऑफिस पहुंच गया और कर्मचारियों से विवाद करने लगा। प्रभारी बिजली गुल होने से इतना नाराज था कि उसने आव देखा न ताव और जेई नुपेंद्र कुमार को थप्पड़ जड़ दिया।

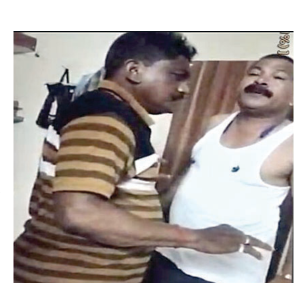

वीडियो में दिख रही दरोगा की गुंडई

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो वायरल हुआ है और इस वीडियो में दरोगा की दबंगई साफ तौर पर देखी जा सकती है। वीडियो में एएसआई दुलारू राम भांडेकर लाइट बंद होने के कारण कर्मचारियों से दरोगा होने का रौब दिखा रहे हैं और कह रहे हैं पूछना चाहिए मैं कौन हूं। दरोगा की बात का जेई जवाब भी दे रहा होता है इसके बाद भी दरोगा बार बार उसे बुरी बातें कह रहा है। जेई के साथ ही साथी पुलिस कर्मी भी दरोगा को समझा रहे हैं लेकिन उनका गुस्सा कम होता ही नहीं दिख रहा। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद एसपी जितेंद्र सिंह यादव ने एएसआई दुलारू राम को निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके खिलाफ एसपी ने जांच भी बैठा दी है।

डिवाइडर से टकराई बस, एक दर्जन से ज्यादा घायल

बलौदा बाजार। जिले में बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। गोंडवाना ट्रेवल्स की बस बीती रात हादसे की शिकार हो गई। बालोद के गुरुर के पास यात्रियों से भरी बस डिवाइडर से टकरा गई। इससे बस पलट गई। बताया जा रहा है की इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि दुर्घटना में घायल यात्री छठी कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। गोंडवाना ट्रैवल्स की बस से करीब 40 लोग छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गुरुर विकासखंड के खैरवाही गांव गए थे। वापस आने के दौरान पुरुर में डिवाइडर से टकरा कर बस पलट गई। घायलों को धमतरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आस्था के नाम पर अपसंस्कृति का बोलबाला

श्रीकंचनपथ

लाउडस्पीकर का आविष्कार लगभग 150 साल पहले हुआ. क्या इससे पहले हिन्दू नहीं थे? क्या इससे पहले धर्म नहीं था? अगर था तो लाउड स्पीकर या डीजे, धर्म और संस्कृति का हिस्सा कैसे हो गये? देर रात तक सार्वजनिक रूप से शोर-शराबा करना किसी भी समाज के लिए अच्छा नहीं माना जा सकता. सभ्य समाज के लिए तो कतई नहीं. पर आस्था और पूजा पाठ के नाम पर इन दिनों देश में यही हो रहा है. इसकी जड़ों में है चंदा संस्कृति. पहले लोग विनम्रता पूर्वक चंदा मांगा करते थे. देवी प्रतिमा मंदिरों में ही गढ़ी जाती थी. छोटे-छोटे बच्चे प्रतिमा निर्माण की पूरी प्रक्रिया देखते थे. पूजा पाठ में लोगों की भक्ति और आस्था दिखाई देती थी. 1970 के दशक तक पूजा पंडालों में सुबह-सुबह श्रद्धालु जुटने लगते थे. बांस के बैरीकेड के पीछे हाथ जोड़कर खड़े रहते थे. अंजलि देने तक वे इसी तरह खड़े रहते. प्रसाद ग्रहण करने के बाद भी वे पंडाल में ही जमे रहते. दोपहर को भोग प्रसाद मिलता था और फिर वे घर जाकर थोड़ा विश्राम करते थे. शाम को देवी दर्शन के लिए अन्यान्य पंडालों में जाते थे. संध्या आरती में 'धुनुची नाच' और रात को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाते थे. इसमें ऐतिहासिक कथाओं पर आधारित नृत्य नाट्य शामिल होता था. मंच पर स्थानीय कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देते थे. चंदे की राशि से बस इतना ही हो पाता था. पर इधर चंदा देने वालों की संख्या बढ़ी. चंदे की राशि का दुरुपयोग शुरू हो गया. चंदा देने वालों और चंदा वसूलने वालों का बोलबाला हो गया. भव्यता के नाम पर चंदे की राशि का जो दुरुपयोग शुरू हुआ, वह अब नासूर बनने लगा है. आज सार्वजनिक पूजा के नाम पर ही कालोनी वासियों की रूह कांप जाती है. इसकी शुरुआत हो जाती है बिजली के दुरुपयोग से. पंडाल से लेकर दूर-दूर तक बिजली की रोशनी की जाती है. ट्रांसफार्मरों पर दबाव बढ़ता है. बिजली की आंखमिचोली शुरू हो जाती है. इसके साथ ही शुरू हो जाता है डीजे का आतंक. कान फाड़ू शोर शराबे से छोटे बच्चे, बुजुर्ग, विद्यार्थी और बीमार सब समान रूप से परेशान होते हैं. पंडालों में दिन भर सन्नाटा छाया रहता है. एक और बात है जो मन को कचोटती है. देव-देवी स्थापना से ज्यादा जोश और उत्साह उसे विदाई देने में दिखाई देती है. विसर्जन रैली पुलिस प्रशासन तक के लिए सिरदर्द बनी हुई है. राजनांदगांव के मोहला में भी यही सबकुछ हुआ. देर रात विसर्जन रैली निकाली गई. डीजे की तेज आवाज के साथ निकली इस रैली पर पुलिस ने कार्रवाई की. पुलिस ने डीजे बंद करवाया और हंगामा शुरू हो गया. कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेता, कथित आस्था के समर्थन में सड़क पर बैठ गए. रात्रिकाल तो राक्षसी प्रवृत्तियों के लिए सुरक्षित है. तो क्या आस्था और संस्कृति के नाम पर राक्षसी प्रवृत्तियों को जगाया जा रहा है? आस्था, सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए समाज को ही कुछ करना होगा.

एमएस धोनी ने मनोरंजन की दुनिया में रखा कदम शुरू किया अपना प्रोडक्शन हाउस

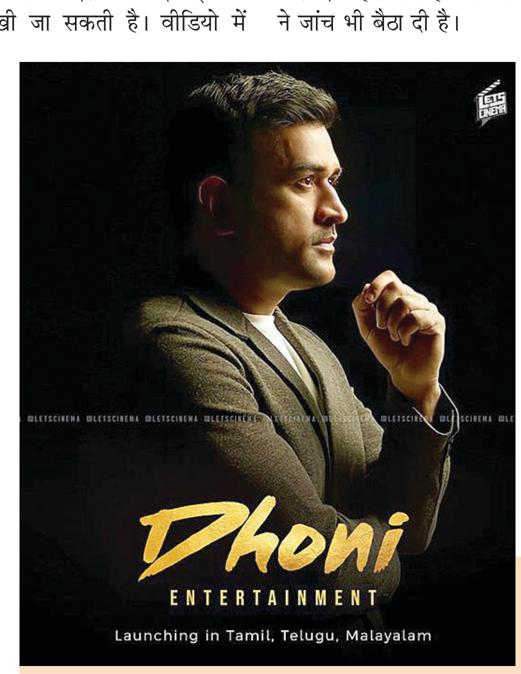

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अब मनोरजंन की दुनिया में कदम रख दिया है। हम बात कर रहे हैं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की। धोनी ने अपना एक प्रोडक्शन हाउस लॉन्च कर दिया है। माही ने अपने प्रोडक्शन हाउस का नाम 'धोनी इंटरटेनमेंट' (Dhoni Entertainment) रखा है।

लेट्स सिनेमा (LetsCinema) ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। ट्वीट करते हुए उन्होंने एक फोटो भी शेयर की, जिसमें धोनी नजर आ रहे है और उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम भी दिख रहा है। बताया जा रहा है धोनी अपने प्रोडक्शन हाउस की पहले प्रोजेक्ट में साउथ स्टार थलपति विजय के साथ काम करेंगे। इसके लिए उनकी बात भी चल रही है।

हिन्दी की बजाए तेलुगू, तमिल व मलयालम में बनाएंगे फिल्में

प्रोडक्शन हाउस लॉन्चिंग की जो तस्वीर सामने आई है उससे पता चल रहा है कि धोनी तीन भाषाओं में अपनी फिल्में बनाएंगे। वे तमिल, तेलुगू और मलयालम में अपनी फिल्में बनाते दिखेंगे। धोनी 2008 से IPL में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं माना जा रहा है इसी वजह से उन्होंने साउथ इंडस्ट्री को अपने लिए चुना है। बता दें महेन्द्र सिंह धोनी ने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था और आईपीएल में खेलते नजर आ रहे हैं।

संपादकीय

विवाद में दवा

कुछ भारतीय दवा कंपनियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निशाने पर आना दुखद और चिंताजनक है। इसके तमाम पहलुओं पर गौर करने की जरूरत है, ताकि यथोचित सुधार संभव हो सके। सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं, जिसका स्वागत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गाम्बिया में 60 बच्चों की मौत की एक वजह के रूप में भारतीय कफसिरप को कथित रूप से जिम्मेदार ठहराया है। दवा की यह नामी भारतीय कंपनी के निशाने पर आने से अफ्रीका, एशिया, पूर्वी यूरोप और मध्य पूर्व के देशों और रूस इत्यादि को होने वाली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। मेडेन फार्मा कोई नई कंपनी नहीं है, तीस साल से भी ज्यादा समय से वह दवा उद्योग में सक्रिय है। दवा के अनुसंधान-विकास में इस कंपनी का नाम लिया जाता है, ऐसे में इसकी दवा का विवादित होना, पूरे भारतीय दवा उद्योग के लिए मायने रखता है। क्या केवल गाम्बिया में ही विवादित कप सिरप की आपूर्ति हुई है और बाकी किसी देश से कोई शिकायत नहीं आई है? हो सकता है, दवा की किसी खास खेप के साथ खराब गुणवत्ता वाली दवा गाम्बिया पहुंच गई हो। ऐसे में, विस्तृत जांच से कुछ पता चल सकता है। हर दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो, ताकि बाकी दवाओं पर किसी को शक न हो। जो दवा कंपनी निशाने पर आई है, उसे भी युद्ध स्तर पर अपनी गुणवत्ता साबित करने के उपक्रम करने चाहिए। यह कंपनी जीवन रक्षक दवाओं से लेकर एंटी-एलर्जी और एंटीबायोटिक्स तक, हर श्रेणी की दवा बनाती है। प्रश्न केवल कंपनी के सम्मान का नहीं, देश के सम्मान का भी है। ध्यान होगा कि कोरोना के समय जब दुनिया भारत की ओर उम्मीद के साथ देख रही थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति लगभग चेताते हुए भारत से दवा मांग रहे थे, तब भारत ने एक खास मुकाम हासिल किया था। अपनी विशाल आबादी को संभालने के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों में दवा और वैक्सीन की आपूर्ति करना कोई आसान काम नहीं था। अगर इस क्षेत्र में भारतीय दवाओं को बदनाम करने के लिए कोई तीसरा पक्ष सक्रिय हो, तो इसकी भी जांच युद्ध स्तर पर होनी चाहिए। भारत को बदनाम करने की इच्छा रखने वाले भी कम नहीं हैं। खैर, अच्छी बात है कि विदेश से आई शिकायत के बाद दवा उद्योग और सरकार में हलचल हुई है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं और यह बताया गया है कि 2019-21 के दौरान दवाओं के 462 नमूनों को मिलावटी या नकली घोषित किए जाने के बाद 384 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 2019-20 में कुल 81,329 दवा के नमूनों का परीक्षण किया गया था, जिनमें से 2,497 नमूनों को मानक गुणवत्ता से कमतर और 199 नमूनों को नकली प्रकृति का घोषित किया गया था। शुरुआती जांच के बाद सामने आई यह बात तो खास अचरज में डालती है कि गाम्बिया भेजी गई दवा की बिक्री भारत में नहीं होती है। क्या गाम्बिया भेजी जा रही दवा भारत में मंजूर नहीं है? क्या गाम्बिया जैसे देशों में दवा कंपनियों ने कम गुणवत्ता वाली दवाओं की आपूर्ति तेज कर दी है? जांच में किसी प्रकार की लीपापोती न हो, तो ही दवा क्षेत्र को स्थाई लाभ होगा। ऐसी तमाम कंपनियों को भारत और भारतीय उद्योगों की प्रतिष्ठा का ध्यान रखना चाहिए। किसी क्षेत्र में सम्मान बनाने के लिए वर्षों लगते हैं, लेकिन सम्मान गंवाने में ज्यादा समय नहीं लगता। भारत जैसे बड़े दवा निर्यातक को अपनी तमाम दवाओं की गुणवत्ता को फिर एक बार ढंग से परख लेना चाहिए।

> “ अपनी विशाल आबादी को संभालने के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों में दवा और वैक्सीन की आपूर्ति करना कोई आसान काम नहीं था। अगर इस क्षेत्र में भारतीय दवाओं को बदनाम करने के लिए कोई तीसरा पक्ष सक्रिय हो, तो इसकी भी जांच युद्ध स्तर पर होनी चाहिए।

सिर्फ आठ महत्वपूर्ण मार्ग

एक बार बुद्ध अपने पांच सौ भिक्षुओं के साथ जंगल में डेरा डाले हुए थे। भिक्षु आपस में चर्चा कर रहे थे कि कौन सा शहर भिक्षा मांगने के लिए अच्छा है, जहां उदार लोग बसते हैं; किन सड़कों पर घनी छाया वाले बड़े पेड़ हैं और किन जगहों पर अच्छी सुविधाएं हैं? जब बुद्ध ने यह चर्चा सुनी, तो वह थोड़े दुखी हुए, लेकिन उनका दुख करुणा से ओत-प्रोत था। उन्होंने सभी भिक्षुओं को प्रवचन के लिए बुलाया। उन्होंने उन्हें आंतरिक पथ पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, न कि बाहरी पथ पर। बुद्ध ने कहा, आंतरिक यात्रा को मजबूत करने के आठ कदम हैं। उनकी दृष्टि में सम्यकत्व का अत्यधिक महत्व है। आप जो कुछ भी करें, दो छोरों के बीच संतुलन बनाएं; मध्यम मार्ग का अनुसरण करें, क्योंकि यदि आप मध्यमार्ग का अनुसरण करते हैं, तो आप कभी पथभ्रष्ट नहीं होंगे। सुनने में यह आसान लगता है, लेकिन बीच में चलना आसान नहीं है। यह तलवार की धार पर चलने जैसा है। निरंतर संतुलन बनाए रखना, मन में उठने वाले तूफानों में न बहना और सजग रहना मध्य मार्ग है। सही दृष्टि, सही निर्णय, सही भाषण, सही प्रयत्न, सही व्यायाम, सही स्मृति, सही समाधि, ये आठ कदम हैं। सही दृष्टि का अर्थ है पूर्वाग्रही दिमाग या विचारधारा के बिना देखना; जीवन का सीधा सामना करना। यदि आप सही दृष्टि पा लेते हैं, तो आपके पास स्पष्टता होगी और यह स्वाभाविक रूप से आपको अगले चरण पर ले जाएगी, जो है, सही निर्णय। उदाहरण के लिए, क्या आपने ध्यान करने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि आप निराश हैं या आप अपनी असफलताओं से दूर भागना चाहते हैं? अगर ऐसा है, तो आप इस रास्ते पर ज्यादा देर तक टिके नहीं रह पाएंगे। आपका दिमाग आपके पिछले जीवन में वापस आ जाएगा। तीसरा है सही भाषण। आप जो कुछ भी कहते हैं, उसके बारे में बहुत सावधान रहें कि इसके पीछे आपके इरादे क्या हैं।

> “ जिसे बाकी दुनिया खलनायक मानती हो, उसे किसी देश की सीमाओं के भीतर या किसी समाज में नायक मानने की परंपरा कोई नई नहीं है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं चंगेज खान। हम चंगेज को ऐसे अत्याचारी योद्धा के रूप में जानते हैं, जिसने पूरी दुनिया पर कब्जा करने की कोशिश में चार करोड़ से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। ईरान की तो तीन-चौथाई आबादी चंगेज की फौज ने साफ कर दी थी।

अब खलनायकों की वापसी का दौर

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

इटली का एक छोटा सा कस्बा प्रिदाप्यो इन दिनों कुछ ज्यादा ही चर्चा में है। करीब सवा छह हजार की आबादी वाले इस नगर में लोगों का तांता कुछ बरस पहले बढ़ गया था, अब तो यहां खासी भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। यह राजनीतिक और सामाजिक रूप से बदल रहे इटली का नया तीर्थ है। इसका परिचय और इतिहास सिर्फ इतना है कि यहीं पर उस बेनिटो मुसोलिनी का जन्म हुआ था, जिसे दुनिया के इतिहास में कभी सम्मान से नहीं देखा गया। उसकी समाधि भी इसी नगर में है। वह यहीं का खमीर था और यहीं पर खाक हुआ।

जैसे किसी तीर्थ के आस-पास पूजा सामग्री और आराध्य से जुड़ी चीजों की ढेरों दुकानें खुल जाती हैं, वैसा ही एक बाजार इन दिनों यहां खूब फल-फूल रहा है। यहां की दुकानों में तरह-तरह के सोवीनियर्स, टी-शर्ट, टोपियां और की-रिंग सजी दिखती हैं, जिन पर मुसोलिनी की आकृति बनी है, और लिखा है- इल डूचे, यानी जननेता। मुसोलिनी समर्थक अपने नेता को हमेशा इसी नाम से पुकारते रहे हैं। यहां के लोगों को पता है कि उनका कस्बा आने वाले दिनों में और भी भीड़ खींचने जा रहा है। पूरा इटली अब तेजी से मुसोलिनीमय होता जा रहा है। मुसोलिनी में अपने पथ-प्रदर्शक का दर्शन करने वाली पार्टी की नेता जॉर्जिया मेलोनी की चुनावी जीत के बाद अब कोई शक नहीं कि यह प्रक्रिया और तेज होने वाली है।

राजनीति की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति फासीवाद के प्रवर्तक की इटली में एक सदी बाद पुनः प्राण-प्रतिष्ठा परेशान करने वाली है, हालांकि इससे कोई हैरान भी नहीं दिख रहा। दूसरे विश्व युद्ध की विभीषिका में फासीवाद की भूमिका को याद करके चिंतित होने वाले भी बहुत हैं, लेकिन इस नियति पर वे जितने बेबस दिख रहे हैं, उतने तो शायद एक सदी पहले के लोग भी नहीं थे। इतालवी राजनीति की आलोचना में यह कहा जाता रहा है कि इसने मुसोलिनी के जहर को लोगों के मन से निकालने की वैसी निरंतर कोशिश कभी नहीं की, जैसी कोशिश जर्मनी ने हिटलर के जहर को निकालने के लिए की थी। मगर धीरे-धीरे ही सही, जर्मनी में हिटलर का नाजीवाद भी वापसी के ढोल-नगाड़े पीटता दिख रहा है। यह सिर्फ इटली और जर्मनी में नहीं, दुनिया में कई जगहों पर हो रहा है- जिनको खलनायक का दर्जा देकर कभी इतिहास में दफ्न कर दिया गया था, अतीत की नई व्याख्याओं के मंत्रोच्चार के बीच वे भूत बनकर प्रकट हो रहे हैं। व्यक्तियों को तो एक दिन जाना होता है, पर भूतों की विदाई का कोई नियम नहीं होता। यही इस दौर का सबसे बड़ा डर है।

वैसे, जिसे बाकी दुनिया खलनायक मानती हो, उसे किसी देश की सीमाओं के भीतर या किसी समाज में नायक मानने की परंपरा कोई नई नहीं है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं चंगेज खान। हम चंगेज को ऐसे अत्याचारी योद्धा के रूप में जानते हैं, जिसने पूरी दुनिया पर कब्जा करने की कोशिश में चार करोड़ से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। ईरान की तो तीन-चौथाई आबादी चंगेज की फौज ने साफ कर दी थी। मगर उसी चंगेज खान को मंगोलिया में बहुत बड़ा नायक माना जाता है। वह पूरे इतिहास के अकेले ऐसे मंगोल हैं, जो एक छोटे से कबीले से निकले और सभी देशों को जीतते हुए यूरोप तक पहुंच गए। विश्व इतिहास में चंगेज खान मंगोलिया को एक पहचान देता है, क्योंकि उसके पहले या बाद में इस देश को कोई ऐसा योद्धा नहीं मिला, जो चंगेज का दशमांश भी हो। ऐसा ही एक अन्य उदाहरण अहमद शाह अब्दाली है। उसने भारत में जो अत्याचार किए, उसे मराठा व सिख इतिहास शायद ही कभी भुला सकेगा, लेकिन वही अहमद शाह अब्दाली अफगानिस्तान का बहुत बड़ा नायक है। वह आधुनिक अफगानिस्तान का निर्माता माना जाता है। आज जो अफगानिस्तान का नक्शा हमारे सामने है, उस पूरे इलाके को एक सूत्र में पिरोने व एक राजनीतिक इकाई के रूप में खड़ा करने का काम सबसे पहले अब्दाली ने ही किया था।

इस तरह के इतिहास बोध से दुनिया को कोई बड़ी समस्या भी नहीं है। अपने महानगरों के हर दूसरे चौराहे पर चंगेज खान की मूर्तियां लगाने वाले मंगोलिया के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि इतिहास का वह दौर लौटने वाला नहीं है। चंगेज खान उन्हें गौरव का भाव तो देता है, लेकिन वे उसमें अपना भविष्य नहीं देखते। यहां यह बात भी दर्ज कर लेनी चाहिए कि साम्यवाद के एक दौर से गुजरने के बाद मंगोलिया अब बहुदलीय लोकतंत्र वाला देश है। और, अफगानिस्तान के लोगों की तो अब यह हसरत ही है कि काश! फिर उन्हें अब्दाली युग की राजनीतिक स्थिरता वाला मुल्क मिल जाए! हो सकता है कि ऐसे इतिहास बोध भी आगे किसी मोड़ पर खतरा बनकर खड़े दिखाई दें, लेकिन फिलहाल जब तक वे सुप्तावस्था में हैं, हमारे लिए पुरातात्विक महत्व की चीज ही हैं। फिर मंगोलिया और अफगानिस्तान ऐसे देश भी नहीं हैं, जिनसे दुनिया ने बदलाव की कभी कोई बड़ी प्रेरणा ली हो।

मगर जो इटली में हो रहा है, जो जर्मनी में हो रहा है, हंगरी, पुर्तगाल या अन्य कई देशों में हो रहा है, वह खतरे का ज्यादा बड़ा सायरन है। इन देशों में अपने पुराने तानाशाहों व अत्याचारियों को सिर्फ नायक नहीं बनाया जा रहा, बल्कि उनके युग को वापस लाने की सक्रिय कोशिशें भी हो रही हैं। इतिहास की चक्की अभी भले ही उल्टी न घूमी हो, लेकिन पीछे की ओर खिसकती सी जरूर लग रही है। और, यह सब उन मूल्यों की कीमत पर हो रहा है, जिन्हें हम अभी तक मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते थे। लोगों को मिलने वाले अधिकार और उनकी आजादी के लिए जो लंबे संघर्ष हुए, उनके हासिल की बात अचानक ही बंद होने लगी है।

एक दौर था, जब दुनिया में कुछ ऐसे देश थे, जिनसे प्रेरणा लेकर तीसरी दुनिया के तानाशाही और फटेहाली से ग्रस्त देश अपने संघर्ष का रास्ता तैयार करते थे। पहली बार हम ऐसी जगह खड़े हैं, जब ऐसी प्रेरणा देने लायक हैसियत किसी देश की नहीं दिख रही। तो क्या इन सारे रुझानों में अब भारत को भी शामिल कर देना चाहिए, क्योंकि यहां भी महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को स्थापित करने की हंगामेदार कोशिशें साल में एक-दो बार चलती ही हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशेषः बढ़ते मानसिक विकार कर रहे जिंदगी तबाह

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मनुष्य का जीवन बहुत सुंदर और सादा है, बस मनुष्य ने समाधानी और परोपकारी होना चाहिए। आज के आधुनिक युग में सभी प्रतिस्पर्धा में भाग रहे है, सबको जल्द आगे निकलना है उसी प्रयास में सभी लगे रहते है। यांत्रिक संसाधनों का अति प्रयोग, प्रकृति का अत्यधिक दोहन पृथ्वी का संतुलन बिगाड़ रहा है, जिसका सीधा असर मानव जीवन पर होता है। प्रकृति मनुष्य की जरूरत पूरी कर सकती है, लालच नहीं। ऐसे माहौल में प्रदूषण, शोर, मिलावटखोरी, अनिद्रा, निकृष्ट खाद्य, संस्कारहीन व्यवहार, अनुशासनहीनता, नशा, झूठा दिखावा, लापरवाही मनुष्य के शरीर के साथ उसके मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा आघात करती है। आज समाज में महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, भेदभाव, भ्रष्टाचार, गरीबी जैसी समस्या जीवन में संघर्ष तेज कर रही है। लंबे समय तक संघर्ष, हिंसा और सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति पूरी आबादी को प्रभावित करती है, जिससे बेहतर कल्याण की दिशा में प्रगति को खतरा उत्पन्न होता है। दुनियाभर में तेजी से मानसिक विकार बढ़ रहे है, जिसमें ज्यादातर हम खुद ही जिम्मेदार है, आधुनिक जीवनशैली और हमारा व्यवहार मानसिक विकारों को बढ़ा रहा है। हर साल 10 अक्टूबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस दुनियाभर में बढ़ते मानसिक विकारों के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु मनाया जाता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2022 की थीम सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता बनाएं यह है।

मानसिक विकारों के लक्षण

आजकल अक्सर देखा जाता है कि जिन गतिविधियों को व्यक्ति पहले खुशी-खुशी करता था, जिन दोस्तों-रिश्तेदारों के साथ वह समय बिताता था, आज उन्हीं लोगों से वह व्यस्तता का बहाना करके दूर भागता है। अपने पुराने शौक, खेलकूद, अच्छी हेल्दी आदतें मनुष्य भूल रहा है। लक्ष्यहीन जीवन, यांत्रिक उपकरण, इंटरनेट, चटोरी जुबान मनुष्य को बीमार कर रही है। अनियंत्रित भावनाएं, रुचि कम होना, नींद में बदलाव, कमजोरी, सुस्ती, उत्साह व आत्मविश्वास की कमी, भूख या वजन में परिवर्तन, उदासी या चिड़चिड़ापन, मूड में अत्यधिक परिवर्तन, अपनों से दूरी बनाना, धैर्य व सहनशीलता की कमी, अकेलापन महसूस, नशाखोरी, लगातार नकारात्मक सोच-विचार, हमेशा दोष ढूंढना, लगातार बेचैनी, किसी तरह का खुद पर दबाव महसूस करना, क्रियाकलापों से दूरी बनाना, हमेशा खोये-खोये रहना यह सब बातें मानसिक विकार की ओर इशारा करती है।

देश में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति

ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी इंडेक्स 2021 के अनुसार, भारत 195 देशों में से 66 वें स्थान पर है। वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य बोझ का लगभग 15 प्रतिशत भारत में है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2016 अनुसार, भारत की लगभग 14 प्रतिशत आबादी को सक्रिय मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की आवश्यकता है। लैंसेट, 2019 सर्वेक्षण के अनुसार लगभग सात भारतीयों में से एक अलग-अलग गंभीरता के मानसिक विकार से पीड़ित है। 56 मिलियन भारतीय अवसाद से पीड़ित हैं और 38 मिलियन किसी न किसी चिंता विकार से पीड़ित हैं। हर साल लगभग 1,64,000 भारतीय अपनी जान लेते हैं। आज भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति डिप्रेशन की राह पर है। यूनिसेफ और गैलप 2021 सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में बच्चे मानसिक तनाव की स्थिति में सहयोग लेने में हिचकिचाते हैं। भारत में, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, 80 प्रतिशत से अधिक लोग कई कारणों से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं पहुंच पाते हैं, जिनमें ज्ञान की कमी, समाज का डर और देखभाल की उच्च लागत शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत का मानसिक स्वास्थ्य कार्यबल गंभीर रूप से कम है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति 100,000 लोगों पर केवल 0.75 मनोचिकित्सक हैं। एनसीबीआई की रिपोर्ट है कि 1.3 बिलियन से अधिक की आबादी के लिए, भारत में 9000 मनोचिकित्सक, 2000 मनोरोग नर्स, 1000 नैदानिक मनोवैज्ञानिक और 1000 मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता हैं। किशोरों और युवा वयस्कों में मनोदशा संबंधी विकारों और आत्महत्या से संबंधित परिणामों की दर में काफी वृद्धि हुई है, और इसके लिए सोशल मीडिया काफी हद तक जिम्मेदार हो सकता है।

विश्व स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति

आज, लगभग 1 अरब लोग मानसिक विकार के साथ जी रहे हैं और 19.86त्न वयस्क मानसिक बीमारी का अनुभव कर रहे हैं। कम आय वाले देशों में, 75त्न से अधिक विकार वाले लोगों को इलाज नहीं मिलता है। हर साल करीब 3 मिलियन लोग मादक द्रव्यों के सेवन से मर जाते हैं। अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका में, अवसाद से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को प्रति वर्ष 210 बिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान होता है। दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के आँकड़े में चिंता 284 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, डिप्रेशन 264 मिलियन लोगों को, शराब का सेवन विकार 107 मिलियन, नशीली दवाओं के उपयोग की गड़बड़ी 71 मिलियन, बाइपोलर डिसऑर्डर 46 मिलियन, सिज़ोफ्रेनिया 20 मिलियन, खाने के विकार 16 मिलियन लोगों को प्रभावित करते हैं। अवसाद आत्महत्या का कारण बन सकता है। 100 में से लगभग एक बच्चे को ऑटिज्म है। 5 में से 1 छात्र को मानसिक स्वास्थ्य समस्या है। हर साल 800,000 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं, 77त्न वैश्विक आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। विश्व स्तर पर, 10-19 वर्ष के सात बच्चों में से एक मानसिक विकार का अनुभव करता है, जो इस आयु वर्ग में बीमारी के वैश्विक बोझ का 13त्न है। विश्व स्तर पर, जनसंख्या तेजी से बूढ़ी हो रही है। 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 15त्न वयस्क मानसिक विकार से पीड़ित हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि दुनिया भर में होने वाली मौतों में से 14.3 प्रतिशत मानसिक विकार के कारण होती हैं। डब्ल्यूएचओ अनुसार, चीन, भारत, अमेरिका, ब्राजील, बांग्लादेश देशों में अवसाद की उच्चतम दर है। मानसिक विकार विकलांगता का प्रमुख कारण हैं, गंभीर मानसिक विकार की स्थिति वाले लोग सामान्य आबादी की तुलना में औसतन 10 से 20 साल पहले जान गंवाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ बनाने के लिए

मन को हमेशा प्रसन्न रखने के लिए काम के व्यस्तता के बाद भी रोज खुद को समय देना सीखें, हमेशा स्वास्थ्यकर खाना खाएं, जुबान को जो पसंद आये वो नहीं। बेकार विचारों को अपने मस्तिष्क में जगह न दें, सकारात्मक विचारशक्ती के लोगों के साथ रहें। परोपकार की भावना रखें, हेल्दी हॉबी रखें, पालतू जानवरों के साथ समय बिताएं, पसंदीदा संगीत सुनें, पशु-पक्षी, असहायों की मदद और निस्वार्थ भाव से समाजसेवा करें। सक्रिय बने रहें, भरपूर नींद लें, दयालु बनें, रोज व्यायाम करें, अकेलेपन में न रहें, सोशल मीडिया और टीवी का सीमित उपयोग करें, लोगों से मिले-जुले, अपनों से बातें करें, बड़ो का सम्मान करें, बुरी आदतों से दूर रहें, गुस्से में अनुचित निर्णय लेने से बचें। आधुनिक जीवनशैली से दुरी बनाकर प्रकृति से जुड़े। जीवन में अनुशासन बनाए, खाना और सोना समय पर होना चाहिए। झूठे दिखावे, स्वार्थ और बहकावे में आकर में जीवन खराब न करें, अगर अच्छे काम कर रहे है तो कभी भी लोक-लाज की न सोचें। मनुष्य को माया-मोह से निकलकर जीवन की सत्यता को समझना चाहिए, संस्कार जीवन का अमूल्य भाग है, इसे कभी न भूलें। सामाजिक, पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। देखा जाए तो मानसिक विकार हमारी ही लापरवाही का नतीजा है। जैसी हमारी जीवनशैली है वैसा हमारा तन-मन बनता है। सबसे महत्वपूर्ण है कि हम समाधानी बने। अच्छा खाएं, अच्छा सोचें, खुश रहें और तनावमुक्त जीवन जिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

दीपोत्सव के लिए शहरी गौठान में गोबर से तैयार किए गए 11 हजार दिए

प्रसाशनिक एवं सामाजिक सहयोग से ही आत्मनिर्भर होंगे गौठान: अरूण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी नरवा गरवा घुरवा बाड़ी के अंतर्गत गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश भर में चलाई जा रही गौठान योजना से सैकड़ों मवेशियों को संरक्षित किया गया है। दुर्ग निगम क्षेत्र में पुलगांव गोकुल नगर में भी शहरी गौठान का संचालन किया जा रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा शनिवार को गौठान के औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। गोधूलि बेला के दौरान पहुंचे विधायक ने वहां व्यवस्थाओं एवं क्रियाकलापों का जायजा लिया। 430 गोवंश के साथ ही वहां कई बछड़े, मछली पालन एवं मुर्गीपालन का कार्य भी किया जा रहा है।

जहां लगभग 15 सौ किलो गोबर प्राप्त हो रहा है जिसे वर्मी खाद में बदलने की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जा रही है। डीएमएफ एवं निगम मद से लाखों रु खर्च कर गौठान का स्वरूप बेहतर करने का प्रयास किया गया है जिसके अंतर्गत प्रवेश द्वार, नाली, बाउंड्रीवाल, चेनलिंक फेंसिंग एवं शेड का कार्य करवाया गया है। गौठान में चारो तरफ कीचड़ के निदान के लिए वोरा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य शासन की महत्वकांक्षी गौठान योजना से ना सिर्फ पशुधन का संरक्षण हो रहा है बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी, गोधन से स्वसहायता समूहों की आय, गोबर के उत्पाद एवं शुद्ध गोबर खाद जैसे बाय प्रोडक्ट अतिरिक्त लाभ के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। किंतु गौठान समितियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रसाशनिक एवं सामाजिक संगठनों का सहयोग आवश्यक है। सर्वसुविधा युक्त मॉडल गौठान बनाने की दिशा में कई गई पहल को सफल बनाने के लिए अभी काफी कार्य किया जाना है। कीचड़ से गोवंश में बीमारी ना फैले इसके लिए गौठान में सीमेंटीकरण अथवा पेवर टाइल लगाया जाना चाहिए।

कई पशुवों में भांबरी एवं लंपि वायरस के लक्षण पाए गए हैं जिसका पशु चिकित्सा विभाग की देखरेख में इलाज कराया जा रहा है। गौठान योजना की सफलता के लिए समय समय पर सोशल ऑडिटिंग एवं सर्व समाज का सहयोग जरूरी है।

विधायक को संचालन समिति ने बताया कि वर्तमान में दीपोत्सव पर्व को देखते हुए गोबर के दिए बनाने का कार्य किया जा रहा है अब तक 11 हजार से अधिक दीप बना लिए गए हैं व लगातार निर्माण जारी है। वोरा ने शहर वासियों से गौठान में निर्मित गोबर के दिए खरीदने की अपील की। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष अजय मिश्रा एल्डरमैन राजेश शर्मा मौजूद थे।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2022

चौका बर्तन करने वाली महिलाएं चढ़ी गेड़ी, खेली कबड्डी और बिल्लस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। ऐसी महिलाएं जो चौका बर्तन करती है, वे रविवार को छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में शामिल हुई। वर्षो बाद निगम क्षेत्र की महिलाएं गेड़ी और बिल्लस प्रतियोगिता में हिस्सा ली। नगर पालिक निगम क्षेत्र के पॉश कालोनी तालपुरी समेत श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र रूआबांधा और स्टेशन मरोदा के अलग वार्डों में परंपरागत खेल का आयोजन कराया गया।

लगातार तीसरे दिन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू और महापौर शशि सिन्हा 14 वार्डों तक पहुंची और छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के अंतर्गत वार्डवार चल रहे प्रतियोगिता का उद्घाटन की। रिसाली निगम के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में शामिल स्टेशन मरोदा में मेला जैसा माहौल था।

यहां पर घर सम्हालने और मजदूरी करने वाली महिलाएं कबड्डी, बिल्लस, रस्साकसी व गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता में जीत दर्ज की।

इस अवसर पर सभापति केशव बंछोर शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग प्रभारी सनीर साहू समेत प्रतियोगिता में संरक्षक की भूमिका निभाने वाले पार्षद सविता ढवस, टिकम साहू, विनय नेताम, गजेन्द्री कोठारी, रेखा देवी, सोनिया देवांगन, चन्द्रप्रकाश निगम, ममता सिन्हा, रमा साहू, डॉ सीमा साहू, अनिल देशमुख, सुनंदा चंद्राकर, गोविन्द चतुर्वेदी, खिलेन्द्र चंद्राकर, रोहित कुमार आदि उपस्थित थे।

150 से ज्यादा प्रतिभागी

रविवार को अवकाश के दिन 14 वार्डों में 150 से ज्यादा महिला-पुरूष व युवा शामिल हुए। लगातार तीसरे दिन निगम क्षेत्र के तालपुरी, रूआबांधा उत्तर, शिवपारा स्टेशन मरोदा, बीआरपी कालोनी, एचएससीएल कालोनी मरोदा, स्टेशन मरोदा, शंकरपारा स्टेशन मरोदा, अवधपुरी रिसाली, मैत्रीनगर रिसाली, मैत्रीकुंज, शक्ति विहार रिसाली, नेवई भाठा, डुंडेरा, पश्चिम व डुंडेरा पूर्व में परंपरागत खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

बांटी प्रतियोगिता में महिलाओं ने कराया पंजीयन

खास बात यह है कि बांटी (कंचा) प्रतियोगिता में बच्चों के साथ महिलाओं ने हिस्सा ली। 10 से 18 वर्ष वाले युवा लंगड़ी दौड़, 100 मीटर रेस, गिल्ली डंडा और भौंरा समेत लंबीकूद में अधिक पंजीयन कराया था।

खास खबर

नगर निगम के वार्डो में प्रतिदिन खेले जा रहे छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल

कोरबा। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने व इनके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए प्रदेश में प्रारंभ कराए गए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तहत नगर पालिक निगम कोरबा के सभी वार्डो में प्रतिदिन खेलों का आयोजन किया जा रहा है, वहीं बच्चों, युवाओं व महिलाओं में इन पारंपरिक खेलों के प्रति अच्छा खासा उत्साह देखा जा रहा है, काफी संख्या में लोग इन खेलों का आनंद लेने खेल मैदानों में पहुंच रहे हैं। कलेक्टर संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के वार्डो में राजीव युवा मितान क्लब के आयोजकत्व में प्रतिदिन छत्तीसगढ़ ओलंपिक का आयोजन कर राज्य के पारंपरिक खेल खेले जा रहे हैं, इन आयोजनों की सबसे बड़ी व खास बात यह है कि बच्चे, युवा, महिलाएं तथा सभी आयु के लोग इन पारंपरिक खेलों में अच्छी खासी रूचि ले रहे हैं। यहाँ उल्लेखनीय है कि 06 अक्टूबर से छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का आगाज हो चुका है, इन खेलों में दलीय एवं एकल श्रेणी में 14 तरह के पारंपरिक खेल गिल्ली डंडा, पिट्ठुल, लंगडी दौड़, बांटी, बिल्लस, फुगड़ी, कब्बड़ी, गेढ़ी दौड़, भौंरा, रस्सा कसी सहित अन्य खेल खेले जा रहे हैं, कोसाबाड़ी, पं.रविशंकर शुक्ल, बालको, दर्री, बांकीमोंगरा व सर्वमंगला जोन के अन्य विभिन्न वार्डो में विभिन्न पारंपरिक खेल खेले गए। 06 अक्टूबर से राजीव युवा मितान क्लब स्तर पर खेली जा रही खेल प्रतियोगिताएं 11 अक्टूबर तक जारी रहेंगी तत्पश्चात 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक जोन स्तर पर, 27 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक नगरीय निकाय कलेस्टर व विकासखण्ड स्तर पर, संभाग स्तर पर तथा 28 दिसम्बर से 06 जनवरी 2023 तक राज्य स्तर पर यह खेल प्रतियोगिताएं सम्पन्न होगी।

सभी मेधावी छात्र-छात्राओं के खाते में डेढ़-डेढ़ लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2022 की वार्षिक परीक्षा में कक्षा 10वीं और 12वीं प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा कक्षा 12वीं की टॉपर रायगढ़ जिले की कुन्ती साव को स्वर्ण पदक और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली बिलासपुर जिले की खुशबू वाधवानी को रजत पदक से सम्मानित किया।

इसी प्रकार कक्षा 10वीं की प्रावीण्य सूची में संयुक्त रूप से टॉपर रायगढ़ की सुमन पटेल और कांकेर की सुनाली बाला को स्वर्ण पदक तथा द्वितीय स्थान प्राप्त कबीरधाम जिले पंकज कुमार साहू को रजत पदक प्रदान किया। समारोह में सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को डेढ़-डेढ़ लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारोह में प्रोत्साहन राशि को मेधावी छात्र-छात्राओं के बैंक खाते

आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान नन्हें बच्चों कि जिद पर हेलीकॉप्टर जॉय राइडिंग कराया गया। बघेल ने बच्चों से सीधे संवाद करते हुए पूछा कि हेलीकॉप्टर में बैठने से किसी को डर तो नहीं लगा, सभी बच्चों ने सामूहिक रूप से कहा कि बिल्कुल भी डर नहीं लगा। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों की प्रशंसा करते हुए बताया कि अधिकारियों ने सभी बच्चों को एक साथ हवाई जहाज में सफर कराने की सलाह दी थी, लेकिन मैंने बच्चों की जिद को ध्यान में रखते हुए हेलीकॉप्टर में ही जॉय राइडिंग कराने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में कई बच्चों को हवाई जहाज पर चढ़ने का अवसर मिलेगा, लेकिन सरकार के हेलीकॉप्टर में कुछ गिन-चुने लोगों को ही सफर करने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को हेलीकॉप्टर से ही जायराइडिंग कराने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा, हेलीकॉप्टर से रायपुर शहर कैसा दिखा ? इस पर बच्चों ने एक स्वर में कहा, 'बहुत सुंदर'।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आर्थिक रूप से पिछड़े व कमजोर वर्ग को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विशेष पिछड़ी जनजातियों-अबूझमाड़िया, बैंगा, बिरहोर, कमार और पहाड़ी कोरवा के हाईस्कूल और हायर सेकण्डरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। इन सभी विद्यार्थियों को भी डेढ़-डेढ़ लाख रूपये प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा समारोह में हायर सेकेण्डरी परीक्षा में टॉपर रायगढ़ जिले की कुन्ती साव को स्वर्गीय अंकित सिंह परिहार स्मृति पुरस्कार 11 हजार रूपये की राशि का चेक भी प्रदान किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर पूरे देश में पहली बार मेधावी छात्र-छात्राओं को हेलीकॉप्टर जॉय रायडिंग का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री की यह पहल पूरे देश के लिए अनुकरणीय है।

डॉ. टेकाम ने कहा कि शिक्षा के जरिए हम भावी जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंडल के सराहनीय कार्य से राज्य के अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और अधिक-से-अधिक विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए अग्रसर होंगे। डॉ. टेकाम ने बताया कि स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2022 की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 125 छात्र-छात्राओं में से कक्षा 10वीं के 90 और कक्षा 12वीं के 35 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

बच्चों को मात्र पीठ पर बस्ते लादकर स्कूल मत भेजो, घर में भी संस्कार की कक्षा लगाओ - विशुद्ध सागर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शरद पूर्णिमा के दिन रविवार को आचार्य विद्यासागर जी महाराज का जन्मदिवस महोत्सव आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। पूजा,भक्ति के साथ सभी ने पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में धर्मलाभ लिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत उपस्थित रहे। आचार्य ने अपनी मंगल देशना में कहा कि मात्र पीठ पर बस्ते लादकर अपने बच्चों को स्कूल मत भेजो,अपने घर में भी संस्कार की कक्षा लगाओ। आचार्य ने कहा कि संसार में प्राण छूट जाए लेकिन भक्ति न छूटे,प्राण छूट जाए लेकिन विश्वास न छूटे। प्राण पुनः पुनः मिल जाएंगे, यदि आस्तिक हो। मित्र मंत्री भगत जी चाहे धर्मसभा हो या राजनीति की सभा हो,अपनी बात कहने में डर नहीं रखना चाहिए। बच्चे-बच्चे को समझाओ कि बेटा पुनर्भव होता है, यदि पुनर्भव आप अपने बच्चे को नहीं समझा पाए तो आपके मठ -मंदिर सब बेकार होंगे,क्योंकि आपके बेटे ने कहा कि मंदिर मत जाओ,किसने देखा है स्वर्ग, किसने देखा है नर्क, मंदिर जाने से क्या मिलता है ? उसी समय आप अपना सिर्फ पटक लेना और कहना मुझे नहीं मालूम था कि मेरे कुल में नास्तिक का जन्म हो गया है।

आचार्य ने कहा कि देश के माता-पिता को आज ही सूचना दे दो कि बच्चा स्कूल जाएगा तो धन कमाएगा और घर में सीखेगा तो धर्म कमाएगा। केवल बच्चे को बस्ता दे देना यही कर्तव्य की पूर्ति नहीं है, मित्र किसान बुआई के बाद घर में नहीं बैठता,वह मेड़ पर घूमने भी जाता है। चाहे मंत्री भगत हो या जितने श्रावक बैठे हैं, सब से पूछ लेना कि 2 दिन खाने और जाने को नहीं मिले तो चलेगा क्या ? विश्वास मानिए 2 दिन खाने को नहीं मिला तो आदमी मरेगा नहीं उसे तकलीफ नहीं होगी, लेकिन जाने को नहीं मिला तो जाने की जगह ढूंढेगा और यदि निकलना ही बंद हो जाए तो डॉक्टर से मिलेगा। मित्र अंदर जाए या न जाए बाहर निकलना जरूरी है। पेट साफ हो गया तो कष्ट शरीर को नहीं होगा और मन साफ हो गया तो कष्ट आत्मा को नहीं होगा।

आचार्य ने कहा कि ये बात देश के नागरिकों से कह दो कि किसान धान बोने के बाद,धान जब तक घर में नहीं पहुंचाता, तब तक प्रतिदिन सुबह-शाम खेत की मेड़ पर घूमता है। किसान आपको व आचार्य परमेष्ठी को भी शिक्षा देता है, माता-पिता और देश के राजनेता को भी शिक्षा देता है। किसान फसल बोने के बाद मेड़ पर घूमता है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस विशेष

भविष्य की बढ़ती चिंता ने किया मानसिक रूप से अस्वस्थ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर । बृजेश (बदला हुआ नाम) कॉलेज के दिनों में माता पिता से झूठ बोलकर पैसे लेता और उन पैसों से नशा करता था। इससे उसकी पढ़ाई पर भी असर हुआ, अनियमित रूप से कॉलेज जाना और गलत संगति के चलते पढ़ाई बीच मे ही छूट गयी। शराब पीकर घर देर से आना और परिवार वालों से पैसे को लेकर झगड़ा करना रोज की आदत बन गयी थी।

कोई व्यवस्थित काम नही होने और आर्थिक तंगी के कारण घरवालों और दोस्तों के बीच अलगाव, चिड़चिड़ापन व्यवहार में दिखने लगा था।

बड़े भाई की सलाह से धीरे-धीरे नशे की आदत तो ब्रजेश से छूट गयी पर

भविष्य की बढ़ती चिंताओं को लेकर मानसिक रूप से अस्वस्थ रहने लगा था। मन मे आत्महत्या करने जैसे बुरे विचार आने लगे थे। एक रोज अखबार के माध्यम से मानसिक विकार, अवसादग्रस्त जैसी समस्याओं के बारे में पढ़ा उसमें स्पर्श क्लीनिक का भी उल्लेख था। पहले तो इसे नजरअंदाज किया लेकिन कुछ दिनों बाद जब दोबारा इस तरह की खबर पढ़ा तो हिम्मत करके स्पर्श क्लीनिक गया।

वहाँ जाकर मनोचिकित्सक को अपनी समस्या से अवगत कराया, मनोचिकित्सक द्वारा काउंसलिंग के दौरान सबसे पहले सहज महसूस कराया गया, और विश्वास दिलाया गया कि काउंसलिंग में जो भी बातचीत होगी वह गोपनीय रखी जाएगी। इलाज के दौरान मनोचिकित्सक ने मुझे व्यवहार में बदलाव लाने और अपनी पढ़ाई फिर से जारी रखने की सलाह दी। कुछ माह तक अपना इलाज कराने के बाद आज मैं पुर्ण रूप से स्वस्थ हूँ और शासकीय विभाग में कार्यरत हूँ,'' ब्रजेश ने बताया ।

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.ऋषभ साव ने बताया: मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर आम जनों को शिक्षित करने के लिए, हर साल दुनियाभर में 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य तनावग्रस्त जीवनशैली में बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इसके प्रति जागरूकता पैदा करना है। ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि अपने आस पास के ऐसे व्यक्ति जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है उनका ख्याल रखें और समय रहते अपने नजदीकी शासकीय अस्पताल में उनका इलाज कराने के लिये उन्हें प्रेरित करें। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया: प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सेहत का ख्याल रखना भी आवश्यक है। शरीर और मन एक दूसरे के पूरक होते हैं, इनमें से एक में भी होने वाली समस्या का असर दूसरे की सेहत को प्रभावित कर सकता है। पिछले कुछ वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के मामले तेजी से बढ़े हैं, विशेषकर युवाओं में तनाव-अवसाद की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसलिए इस तरह की समस्याओं पर ध्यान देना जरूरी है, नही तो ये गंभीर रूप ले सकती हैं। तनाव-अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से बचे रहने के लिए अच्छी नींद, पौष्टिक आहार और अपने पसंद की चीजों को करने पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। रात में 6-8 घंटे की नींद बहुत आवश्यक है, तनाव-अवसाद से बचे रहने के लिए योग-मेडिटेशन का नियमित रूप से अभ्यास करते रहना आवश्यक है।''

खास खबर

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंताः फिर लाल हो सकता है टमाटर धान की कटाई भी प्रभावित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मानसून की विदाई हो रही है, लेकिन इस बार मानसून जाते-जाते किसानों की परेशानी बढ़ा रहा है। दुर्ग संभाग में हो रही बारिस ने धान, टमाटर, और सोयाबीन की फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है। लेकिन इन सबके बीच दुर्ग जिले में हो रही बारिश ने धमधा क्षेत्र के टमाटर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश के चलते टमाटर में लगे फूल झड़ने लगे हैं। इसके चलते एक बार फिर टमाटर लाल हो सकता हैं।

बता दें कि सूबे के कुछ इलाकों में तीन दिनों से बारिश हो रही है। लेकिन इस बारिश से किसानो को फायदा नहीं बल्कि नुकसान हो रहा है। किसानों ने जुलाई के अंतिम सफ्ताह में टमाटर की बुवाई की थी। लेकिन लगातार हो रही बारिश ने किसानों के फसल को नुकसान पहुंचाया है। अपने खेतों में धान के अलावा टमाटर, करेला, गोभी, सेम और सोयाबीन जैसी फसलें ली जा रही है। टमाटर में फूल लग चुके हैं। लेकिन इस तरह बे मौसम बारिश से टमाटर की फसल बर्बाद हो रही है। इस साल अगर टमाटर की खेती में सुधार नहीं आया, तो बाजार में टमाटर की किमतों मे इसका असर देखने को मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1272.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 1272.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से नौ अक्टूबर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2422.0 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 602.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 1019.9 मिमी, बलरामपुर में 1036.0 मिमी, जशपुर में 1064.5 मिमी, कोरिया में 884.4 मिमी, रायपुर में 934.5 मिमी, बलौदाबाजार में 1178.9 मिमी, गरियाबंद में 1279.5 मिमी, महासमुंद में 1165.2 मिमी, धमतरी में 1321.2 मिमी, बिलासपुर में 1465.3 मिमी, मुंगेली में 1336.8 मिमी, रायगढ़ में 1228.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1383.2 मिमी, कोरबा में 1227.3 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1084.2 मिमी, दुर्ग में 985.8 मिमी, कबीरधाम में 1136.1 मिमी, राजनांदगांव में 1235.2 मिमी, बालोद में 1301.1 मिमी, बेमेतरा में 724.4 मिमी, बस्तर में 1833.8 मिमी, कोण्डागांव में 1289.5 मिमी, कांकेर में 1554.4 मिमी, नारायणपुर में 1490.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 1823.6 मिमी और सुकमा में 1611.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

सर्वश्रेष्ठ इको क्लब चयन प्रतियोगिता कल, मंत्री अकबर भी रहेंगे मौजूद

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले तीन इको क्लब स्कूलों को पुरस्कृत किया जाएगा। क्लब का चयन करने और मेले का आयोजन करने के लिए मंडल द्वारा व्हीआईपी रोड स्थित अग्रसेन धाम में 11 और 12 अक्टूबर को आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर भी उपस्थित होंगे। कार्यक्रम का आरंभ 11 अक्टूबर की दोपहर 11 बजे होगा। इको बाल मेला में राज्य भर से जुटे इको क्लब के बच्चों को न केवल पर्यावरणीय शिक्षा दी जाएगी, अपितु उनके मध्य भाषण, रचनात्मक लेखन, ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। 12 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

क्लब को दिया जाएगा नकद इनाम

राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ इको क्लब को प्रथम पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार 10 हजार रूपए, तृतीय पुरस्कार 7 हजार रूपए तथा पांच सांत्वना पुरस्कार व ट्रॉफी रखी गयी है। मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में शामिल प्रत्येक स्कूल द्वारा एक स्टॉल भी लगाया जाएगा, जिसमें विभिन्न पर्यावरणीय विषयों पर स्कूली बच्चें प्रदर्शनी भी लगाएंगे। इस अवसर पर मंडल द्वारा प्लास्टिक वेस्ट एवं ई-वेस्ट पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री बघेल ने की कृषि विभाग की समीक्षा

क्लस्टर में कराएं जैविक खेती, सी मार्ट से सुधरेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में रासायनिक खाद पर निर्भरता को खत्म करने और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया है। इसके लिए जैविक खेती को अलग-अलग पैच में कराने के बजाय क्लस्टर में कराने की बात उन्होंने कही है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन सचिव स्तर के अधिकारियों से विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर जानकारी लेते हुए विभागीय समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग और ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा भी की।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गर्मी में धान की फसल के लिए बांधों से पानी नहीं देना चाहिए, ताकि जुलाई के समय के लिए पानी बांधों में रहे। गर्मी के सीजन में दलहन-तिलहन को प्रोत्साहित किया जाए। वहीं मुख्यमंत्री ने धान के अलावा दूसरी फसलों में भी वर्मी कम्पोस्ट के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों को वर्मी कम्पोस्ट उपलब्ध कराते रहें और वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग के लिए किसानों को प्रेरित करें। इससे कृषि के लिए रासायनिक खाद पर निर्भरता खत्म होगी और जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती को अलग-अलग पैच की बजाय क्लस्टर में कराने के निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए हैं। इधर गौठान निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि, बड़े आश्रित गांवों में भी गौठान का निर्माण होना चाहिए। गौठान समितियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि, बहुत से किसानों ने लोन लिया है, लेकिन उन किसानों को वर्मी कम्पोस्ट नहीं मिला है। ऐसे किसानों के पास वर्मी कम्पोस्ट पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

मांग के अनुरूप बने कार्ययोजना

मुख्यमंत्री बघेल ने ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि, छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्रामीण उत्पादों को प्रोत्साहित करना और उन्हें बाजार मुहैया कराना जरूरी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सी-मार्ट (छत्तीसगढ़-मार्ट) की शुरुआत की है। सी-मार्ट के माध्यम से ग्रामीण उत्पादों को एक छत के नीचे बाजार मुहैया कराया जा रहा है। जहां एक हजार से अधिक तरह के ग्रामीण उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। कम समय में ही सी-मार्ट के माध्यम से 20 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पादों की खरीदी बिक्री हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन उत्पादों की ज्यादा मांग हो, उसके उत्पादन के लिए कार्ययोजना तैयार करें। ऐसे उत्पाद जिनकी मांग दूसरे शहरों से लेकर दूसरे राज्यों से भी है, उनकी उपलब्धता वहां भी सुनिश्चित होना चाहिए।

मल्टीएक्टिविटी सेंटर होगा रीपा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) का निर्माण करा रही है, जहां मल्टीएक्टिविटी होंगे। रीपा के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर लघु व मध्यम वर्ग के उद्योग भी संचालित किए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। इसके लिए रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) का शेड बड़ा होना चाहिए, ताकि वहां मल्टीएक्टिविटी संचालित की जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि, गोधन न्याय योजना के लिए निर्मित 'गौठान मैप पोर्टल' के माध्यम से ही रीपा की मॉनिटरिंग की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि, गोबर से निर्मित पेंट के उत्पादन पर विशेष तौर से ध्यान दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, शासकीय इमारतों की रंगाई-पोताई के लिए गोबर से निर्मित पेंट का इस्तेमाल हो। उन्होंने कहा कि, इसके लिए गोबर पेंट उत्पादन को बढ़ावा दें ताकि डिमांड पूरी हो सके।

राजस्व अधिकारी अपनी कार्यशैली में लाएं बदलावः सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन राजस्व विभाग के काम-काज की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राजस्व विभाग के ढीले-ढाले काम-काज पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और कलेक्टरों से कहा कि राजस्व का काम-काज चुस्त-दुरूस्त होना चाहिए। राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाएं। लोगों के काम समय-सीमा के भीतर होना चाहिए। कलेक्टर और कमिश्नर नियमित रूप से तहसील कार्यों के निरीक्षण करें। अतिवृष्टि एवं अल्पवृष्टि से फसल क्षति की समीक्षा करते हुए सभी कलेक्टरों को संवेदनशीलता के साथ प्रभावित किसानों को समय सीमा में आरबीसी 6(4) अंतर्गत राहत राशि दिलाने के निर्देश दिए।

राजस्व विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि नामांतरण के लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण होना चाहिए। सभी राजस्व प्रकरणों को समय सीमा में निपटाएं। नागरिकों को राजस्व प्रकरणों में देरी से परेशानी नहीं होनी चाहिए। नागरिकों के कार्य को समय सीमा में न करने पर अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजस्व आय की प्राप्तियों पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, रेणु जी. पिल्ले, पीसीसीएफ संजय शुक्ला सहित सभी संभागों के राजस्व कमिश्नर, जिलों के कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम भूपेश बघेल से अभनपुर विधानसभा क्षेत्रवासियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री से उनके निवास कार्यालय में वरिष्ठ विधायक के नेतृत्व में आए अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों ने सौजन्य मुलाकात की। गोबरा नवापारा और अभनपुर से आये नागरिकों ने क्षेत्र की विभिन्न मांगों के संबंध में ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतिनिधिमंडल को मांगों के संबंध में परीक्षण करा आवश्यक निर्णय लिए जाने आश्वस्त किया। इस अवसर पर अभनपुर विधानसभा क्षेत्र से धनराज मध्याने, सौरभ शर्मा, जीत सिंह, विनोद जैन, डॉ राजेन्द्र गदिया सहित अन्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए घर में भी संस्कार की कक्षा लगाओः आचार्य विशुद्ध सागर

रायपुर। शरद पूर्णिमा के दिन रविवार को आचार्य विद्यासागर महाराज का जन्मदिवस महोत्सव आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। पूजा,भक्ति के साथ सभी ने पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में धर्मलाभ लिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत उपस्थित रहे। आचार्य ने अपनी मंगल देशना में कहा कि मात्र पीठ पर बस्ते लादकर अपने बच्चों को स्कूल मत भेजो,अपने घर में भी संस्कार की कक्षा लगाओ।

आचार्य ने कहा कि संसार में प्राण छूट जाए लेकिन भक्ति न छूटे, प्राण छूट जाए लेकिन विश्वास न छूटे। प्राण पुनः पुनः मिल जाएंगे, यदि आस्तिक हो। मित्र मंत्री भगत चाहे धर्मसभा हो या राजनीति की सभा हो, अपनी बात कहने में डर नहीं रखना चाहिए।

हर साल बस्तर दशहरा में मनाई जाएगी पौध रोपण की रस्म

मारकेल ग्राम में लगाए गए 300 साल और बीजा के पौधे

रायपुर (ए)। बस्तर दशहरा में अब आगामी वर्ष से एक नई रस्म जुड़ेगी। बस्तर दशहरा में चलने वाले रथ के निर्माण के लिए लगने वाली लकड़ियों की क्षतिपूर्ति के लिए अब हर वर्ष साल और बीजा के पौधे लगाने का कार्य करने के साथ ही इसे बस्तर दशहरा के अनिवार्य रस्म में जोड़ा जाएगा। यह घोषणा सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष दीपक बैज ने मारकेल में बस्तर दशहरा रथ निर्माण क्षतिपूर्ति पौधरोपण कार्यक्रम की। इस अवसर पर सांसद दीपक बैज ने कहा कि बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता के साथ अपने अनूठे रस्मों के कारण पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। इस पर्व में चलने वाला रथ एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। इस रथ के निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी का उपयोग किया जाता है, जिसके लिए वृक्षों को काटने की आवश्यकता पड़ती है। बस्तर दशहरा का पर्व सदियों से आयोजित किया जा रहा है और यह आगे भी यह इसी भव्यता के साथ आयोजित होती रहे, इसके लिए हमें भविष्य में भी लकड़ियों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि बस्तर की हरियाली को बनाए रखने और बस्तर दशहरा के लिए लकड़ियों की सतत आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए अब प्रतिवर्ष साल और बीजा के पौधे लगाने का कार्य बस्तर दशहरा के रस्म के तौर पर आयोजित किया जाएगा।

शरद ऋतु में हम अपने शरीर को नई उर्जा से भर सकते हैं : बृजमोहन

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ ब्राह्मण समाज रायपुर के द्वारा शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए और सभी उपस्थित जनों को उन्होंने शरद पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक अग्रवाल ने कहा कि शरद पूर्णिमा दो ऋतुओं के बीच का काल है। आज से हम जो भी सेवन करेंगे हमारे शरीर में पच जाएगा। भोजन के पाचन के लिए सबसे अच्छा कोई मौसम है तो वह ठंड का मौसम है। इस समय हमें जो पसंद आता है हम खा सकते हैं, जो कपड़े चाहें पहन सकते हैं। जीवन में यदि किसी मौसम में आनंद आता है तो शरद पूर्णिमा के बाद ठंड के मौसम में आता है।बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि शरद पूर्णिमा के बाद से रासलीला शुरू हो जाती है। शरद पूर्णिमा के बाद दीवाली आएगी। तुलसी पूजन आएगा। उसके बाद से शादी के शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा

कि ठंड का मौसम जीवन में आनंद देता है व सुखी रहने में सहायता करता है। ठंड के मौसम में हम भक्ति में लीन हो सकते हैं। जब हम गर्मी में अपने देवताओं की पूजा करते हैं तो पसीने में नहा लेते हैं, सबसे बेहतर मौसम ठंड का होता है। हमें संगीत में आनंद लेना है तो इस मौसम में ले सकते हैं। हमें खाने पीने में आनंद लेना है तो इस मौसम में ले सकते हैं। शरद ऋतु में हम अपने शरीर को स्वस्थ बना सकते हैं, व्यायाम और योग भी शांत मन से कर सकते हैं।

अगर हमको भगवान नें कुछ दिया है तो हमको भी समाज को कुछ देना चाहिएः बृजमोहन अग्रवाल

'जसराज बरड़िया एक्सिलेंसी अवार्ड' कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री सिंहदेव और विधायक अग्रवाल

रायपुर (ए)। राजधानी के वृन्दावन हॉल में जसराज बरड़िया एक्सिलेंसी अवार्ड 2022-23 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव, भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल नें जसराज बरड़िया की स्मृति में कई सारे अवार्ड वितरण के लिए बरड़िया परिवार एवं आयोजक रोटरी क्लब ऑफ हेरिटेज को साधुवाद दिया। सराफा कारोबार में जसराज बरड़िया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी स्मृति को जीवित रखने के उद्देश्य

से यह पुरस्कार वितरित किया जाता है। अपने नए नए विचारों के माध्यम से अपने स्टार्ट-अप द्वारा देश-प्रदेश का नाम ऊंचा करने वाले लोगों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में विधायक अग्रवाल ने कहा कि बरड़िया उनका लगभग 45 सालों से संबंध है और जसराज अग्रवाल का हमेंशा आशीर्वाद भी मिलता रहा। उन्होंने कहा कि पैसे भी सबके पास होते हैं परंतु उसको समाज के काम में लगाना, सेवा के काम में लगाना, धर्म के काम में लगाना बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक तो बहुत लोग ऐसे होते हैं जिनके पास अरबों खरबों हैं, परंतु कोई जाए तो उसको चाय चाय के लिए भी नहीं पूछते। उन्होंने कहा कि अगर हमको भगवान ने कुछ दिया है तो हम समाज को कुछ दें। उन्होंने बताया कि जब हम समाज को कुछ देते है तो निश्चित रूप से समाज से सम्मान भी मिलता है। कहते है न कि...ज्यों ज्यों खरचत त्यों बढ़त बिन खरचत घट जात लक्ष्मी जी की कृपा भी उन्हीं पर होती है जो समाज के लिए, देश के लिए, धर्म के लिए काम करते हैं।

बृजमोहन अग्रवाल कहते है कि सबसे बड़ी बात होती है अपनी एक विश्वसनीयता और एक विश्वास बनाना, उसकी नीव अगर किसी ने रखी तो जसराज जी साहब ने रखी। उन्होंने कहा कि आज उनके कारण छत्तीसगढ़ से गहनों के व्यवसाय को पूरे देश में नाम मिल रहा है। उनके नाम को चीर स्थायी बनाने के लिए ये पुरस्कार वितरण समारोह रखा गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

पानी के अलावा सुबह-सुबह इन चीजों का भी करें सेवन, मिलेंगे कई स्वास्थ्यवर्धक फायदे

आप अपने दिन की शुरुआत कैसे करते हैं, यह आपके स्वास्थ्य और उर्जा के स्तर को प्रभावित करता है, इसलिए सुबह उठते ही सबसे पहले क्या पीना चाहिए, ये जानना बेहद जरूरी है। अभी आप सबके दिमाग में एकमात्र पानी का ख्याल आ रहा होगा, लेकिन आज हम आपको अन्य कुछ ऐसी ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे जिनका सुबह सेवन करने से स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है।

पानी के साथ सेब का सिरका

सेब का सिरका कई लाभों से भरपूर है और स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा होता है। आधे ग्लास पानी में एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका मिलाकर सुबह उठने के बाद पी लें। ये कई हानिकारक बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है और ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में सहायक है। इसके अलावा ये हृदय को भी बेहतर रखता है। ऐसे लोग जो अपना वजन घटाना और मोटापा कम करना चाहते हैं, वो इसका सेवन जरूर करें।

ग्रीन टी

एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा होने के कारण ग्रीन टी शरीर को कई बीमारियों से बचाती है और वजन घटाने में मदद करती है। सुबह-सुबह ग्रीन टी पीने से कई अन्य फायदे मिलते हैं। ये मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है और मोटापे को खत्म करती है। यह दिमाग को तेज करने में सहायक है और इसमें कैंसर से बचाव के गुण हैं। ग्रीन टी हृदय रोगों के जोखिम को भी कम करती है।

ब्लैक कॉफी

ब्लैक कॉफी में ऐसे कई स्वास्थ्यजनक पदार्थ शामिल हैं जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में काफी फायदेमंद है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के साथ-साथ हाइड्रेटिंग में भी बहुत मददगार होती है। इसमें बहुत कम फैट होता है, लेकिन इसके सेवन से कोर्टिसोल नामक हार्मोन को बढ़ावा मिलता है। यह शुगर लेवल के स्तर को नियंत्रित करने और याद्दाश्त को मजबूत करने जैसी प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को भी प्रभावित करती है।

एलोवेरा का जूस

एलोवेरा सबसे अच्छी प्राकृतिक चीजों में से एक है। एलोवेरा जूस में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से आपको अनगिनत फायदे मिलेंगे। ये गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सूजन को कम करने में मदद करता है और इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम, जो आंतों का रोग है, से पीड़ित लोगों के लिए यह काफी फायदेमंद है। इसके अलावा ये त्वचा की समस्याओं को ठीक करने और पेट को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

टमाटर का जूस

अगर आप अपने दिन की शुरुआत टमाटर के जूस से करते हैं तो इससे न केवल आपके शरीर बल्कि त्वचा को भी काफी फायदा मिलेगा। टमाटर के जूस को पीने से शरीर को हाइड्रेट करने में मदद मिलती है, जिससे आपकी त्वचा खिल जाती है। इससे शरीर को एसिडिटी से लड़ने में मदद मिलती है और इसमें मौजूद पोषक तत्वों के कारण आप दिनभर एक्टिव महसूस करते हैं।

रिलीज हुआ फीफा वर्ल्ड कप का एंथम लाइट द स्काई, नोरा ने मटकाई कमर

कतर में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2022 के लिए एंथम सॉन्ग लाइट द स्काई रिलीज कर दिया गया है। जी हाँ और सबसे खास बात यह है कि लाइट द स्काई गाने में बालीवुड एक्ट्रेस और डांस नोरा फतेही ने भी परफॉर्म किया है। आपको बता दें कि नोरा फतेही इस गाने में डांस करती और गाना गाती नजर आ रही हैं। जी हाँ और इस गाने को सात सितंबर (शुक्रवार) को रिलीज किया गया है। आपको बता दें कि लाइट द स्काई गाने का निर्माण रेडऑन ने किया है।

रेड ऑन ने फीफा के गानों पर पहले भी काम किया है। जैसे शकीरा के वाका वाका और ला ला ला। फीफा ने इस एंथम को अपने यूट्यूब चैनल और ट्विटर पर शेयर किया है। आप सभी को बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप का आगाज 22 नवंबर 2022 से हो रहा है। फीफा वर्ल्ड कप 2022 के एंथम में आने के साथ ही नोरा फतेही शकीरा और जेनिफर लोपेज के क्लब में शामिल हो गई हैं। शकीरा ने साउथ अफ्रीका में आयोजित 2010 के फीफा वर्ल्ड कप का एन्थम सॉन्ग वाका-वाका में परफॉर्म किया था। इसी के साथ जेनिफर लोपेज फीफा वर्ल्ड कप 2014 के एंथम सॉन्ग वी आर वन में रैपर पिटबुल के साथ नजर आई थीं।

अब अगर हम काम के बारे में बात करें तो नोरा फतेही वर्तमान में करण जौहर और माधुरी दीक्षित के साथ झलक दिखला जा के सीजन 10 में जज के रूप में नजर आ रही हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने फिल्म थैंक गॉड के मानिके गाने में अपने सिजलिंग डांस मूव्स से भी दर्शकों का दिल जीता था।

सामने आया राम सेतु का नया पोस्टर, 25 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी राम सेतु को लेकर खूब चर्चाओं में बने हुए है। इसी दौरान उनकी मूवी का नया पोस्टर सामने आ गया है। इस पोस्टर को खुद अक्षय कुमार ने साझा कर दिया है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। राम सेतु के पोस्टर में अक्षय कुमार के साथ साथ जैकलिन फर्नांडिस और नुसरत भरुचा भी दिखाई दे रहे है। सभी कुछ न कुछ तलाशते हुए नजर आ रहे है। वहीं अक्षय कुमार काफी चौके हुए लग रहे हैं। पोस्टर साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा- आपके द्वारा बनाए जा रहे सभी अद्भुत पोस्टरों से प्रेरित होकर, यहां कुछ ऐसा है जिस पर मैंने टीम के साथ कार्य किया है। उम्मीद है आप इसे पसंद करने वाले है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि राम सेतु का ट्रेलर 11 अक्टूबर, 2022 को रिलीज किया जाने वाला है। खबरों का कहना है कि, मूवी का लेखन और निर्देशन अभिषेक शर्मा ने किया है। राम सेतु 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है। आपको जानकारी हो कि राम सेतु एक्शन एडवेंचर फिल्म है और इस फिल्म को अभिषेक शर्मा ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ जैकलीन फर्नांडिस, नुसरत भरुचा, सत्या देव लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी एक पुरात्तव विज्ञानी के इर्द गिर्द घूमती है, जो राम सेतु ब्रिज की रियलिटी चैक करने पर निकला है। जी हाँ और अक्षय इस फिल्म में पुरात्तव विज्ञानी बने हैं।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के फायदे और नुकसान

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट एक सेमी-परमानेंट हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट है। यह रासायनिक प्रक्रिया केराटिन (बालों में पाया जाने वाला एक रेशेदार प्रोटीन) की कमी को पूरा करके बालों को मुलायम और चमकदार बना सकती है। आमतौर पर हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट बालों में प्रोटीन बॉन्ड को तोड़ते हैं, लेकिन केराटिन हेयर ट्रीटमेंट बॉन्ड्स को तोड़े बिना बालों को सीधा कर सकता है। आइए जानें कि यह ट्रीटमेंट कितना सुरक्षित है और यह किन बालों पर करवाना सही है।

क्या केराटिन हेयर ट्रीटमेंट सुरक्षित है?

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट सुरक्षित है, लेकिन यह तब नुकसान पहुंचा सकता है जब ट्रीटमेंट के दौरान आपके बालों पर अधिक ब्लो ड्रायर या फ्लैट आयरन का इस्तेमाल किया जाए। हालांकि, अगर आप किसी भी नुकसान से बचना चाहते हैं तो इस ट्रीटमेंट के लिए एक अनुभवी हेयर स्टाइलिस्ट को ही चुनें। केराटिन हेयर ट्रीटमेंट आपके बालों की कई समस्याओं को हल कर सकता है, लेकिन इसके लिए आपको कुछ दिशानिर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट की तैयारी कैसे करें?

इस ट्रीटमेंट से जुड़ी रिसर्च करें और केराटिन ट्रीटमेंट के लिए जाने से पहले ध्यान दें कि यह आपके बालों के प्रकार, बनावट और लंबाई के लिए उपयुक्त हो। ट्रीटमेंट से एक हफ्ते पहले अपने बालों को डीप कंडीशन करें। यह आपके स्कैल्प को मॉइश्चराइज करेगा और ट्रीटमेंट के दौरान होने वाले नुकसान से बचाएगा। ट्रीटमेंट से दो दिन पहले हैवी शैंपू या तेल का इस्तेमाल करने से बचें। ट्रीटमेंट से पहले अपने हेयर स्टाइलिस्ट इससे जुड़े सवाल-जवाब करें।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट कैसे किया जाता है?

आपके बालों के प्रकार, लंबाई, बनावट और मोटाई के आधार पर केराटिन हेयर ट्रीटमेंट करवाने में एक-दो घंटे का समय लग सकता है। यह ट्रीटमेंट शुरू करने से पहले हेयर स्टाइलिस्ट स्कैल्प से गंदगी हटाने के लिए सिर को क्लींजर से साफ करता है। इसके बाद वह बालों के सेक्शन करके इन पर केराटिन का घोल लगाता है और एक घंटे के बाद सिर को पानी से साफ करता है। फिर बालों पर हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल होता है।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के फायदे

घुंघराले बालों वाले लोगों के लिए केराटिन हेयर ट्रीटमेंट बहुत अच्छा काम करता है। यह ट्रीटमेंट रूखे और बेजान बालों को ठीक कर सकता है। यह वॉल्यूमाइज्ड लुक बनाए रखने में भी कारगर है। इससे स्कैल्प में जलन या बालों के झड़ने जैसी कोई समस्या नहीं होती है। यह बालों का उलझाव कम करता है। इससे बाल चमकदार और मुलायम होते हैं। यह आपके बालों को मजबूत करता है। इसकी मदद से हेयर स्टाइलिंग आसान हो जाती है।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के नुकसान

इस ट्रीटमेंट के दौरान हीट स्टाइलिंग टूल्स का अधिक इस्तेमाल होता है तो इससे आपके बालों के क्यूटिकल्स को नुकसान पहुंच सकता है। कुछ केराटिन ट्रीटमेंट फॉर्मलाडेहाइड मुक्त होने का दावा करते हैं, लेकिन यह सच नहीं हो सकता है। इसलिए इसका पता लगाने के लिए किसी विशेषज्ञ की राय लें कि आपके बालों के प्रकार के लिए फॉर्मलाडेहाइड कितना सुरक्षित है। गर्भवती महिलाएं यह ट्रीटमेंट लेने से बचें क्योंकि इससे उन्हें काफी नुकसान पहुंच सकता है।

साउथ एक्ट्रेस केतिका शर्मा ने बोल्ड आउटफिट में बिखेरा जलवा

इन दिनों फिल्म जगत हो या सोशल मीडिया, लोगों की पहली पसंद साउथ इंडस्ट्री बना हुई है। यही कारण है कि साउथ एक्ट्रेस इन दिनों अपने जलवे बिखेरने में कोई कमी नहीं छोड़ रही हैं। वहीं, साउथ एक्ट्रेस केतिका शर्मा ने बोल्ड आउटफिट में ऐसे जलवे बिखेरे कि देखने वाले उनकी तस्वीरों से अपनी नजरे नहीं हटा पा रहे हैं। साथ ही फैंस उनके कर्वी फिगर के दीवाने हैं। साउथ एक्ट्रेस केतिका शर्मा ने सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर कर अपनी हॉटनेस से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराती रहती हैं। एक्ट्रेस की सिजलिंग तस्वीरें देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। एक्ट्रेस केतिका तस्वीरों में बेहद ही स्टाइलिश और बोल्ड नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिल ओ दिमाग पर छा गई हैं। केतिका शर्मा ने साल 2021 में तेलुगू फिल्म रोमांटिक से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की है। इस फिल्म में उनके साथ पुरी जगन्नाथ के बेटे आकाश पुरी नजर आए थे। दोनों की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया। केतिका शर्मा ने अपनी हर तस्वीर में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करना नहीं भूलती हैं। वहीं, एक्ट्रेस की मूव्स फैंस पर काफी कातिलाना असर डालती हैं व्हाइट कलर की स्टाइलिश साड़ी और एक्स्ट्रा वर्क के साथ एंब्रॉयडरी ब्लाउज में एक्ट्रेस केतिका शर्मा बेहद ही प्यारी लग रही हैं। एक्ट्रेस केतिका शर्मा ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए व्हाइट ईयरिंग्स भी पहन रखे हैं जो उनके लुक को चार चांद लगा रहे हैं। एक्ट्रेस के सोशल मीडिया पर भी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर 2.3 मिलियन फॉलोवर्स फॉलो करते हैं।

माधुरी दीक्षित की मजा मा में मजा नहीं आया, कमजोर स्क्रिप्ट ने फेरा पानी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की फिल्म मजा मा आज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म से उनके लुक को बेहद पसंद किया गया था। इस फिल्म में गजराव राव, ऋत्विक भौमिक, बरखा सिंह, रजित कपूर, शीबा चड्ढा और सिमोन सिंह जैसे कलाकार नजर आए। इसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। अमृतपाल सिंह बिंद्रा ने फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी संभाली है। आइए जानते हैं दो घंटे 14 मिनट की यह फिल्म कैसी है।

गुजराती पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म में माधुरी ने एक समलैंगिक मां (पल्लवी) का किरदार निभाया है। इसमें अभिनेता गजराव (मनोहर) उनके पति की भूमिका में दिखे हैं। ऋत्विक माधुरी के बेटे तेजस बने हैं, जिनका बरखा सिंह (ईशा) के साथ रिश्ता तब खतरे में पड़ जाता है, जब लोगों को माधुरी के समलैंगिक होने के बारे पता चलता है। इसमें समलैंगिकता के मुद्दे से उपजे कई सवालों को टटोलने की कोशिश की गई है।

भारत में समलैंगिक संबंधों को कानूनी मान्यता मिली है, लेकिन समलैंगिक शादी अभी भी गैरकानूनी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ऐतिहासिक फैसले में समलैंगिकता को अपराध मानने वाली धारा 377 को रद्द करते हुए समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था।

माधुरी ने अपने किरदार के साथ न्याय करने की कोशिश की, लेकिन कहानी ने उनका साथ नहीं दिया। वह अभिनय के मोर्चे पर औसत लगीं। माधुरी के साथ गजराव की जोड़ी अटपटी और पूरी तरह से बेमेल लगी। ऋत्विक अपने किरदार में इमोशन नहीं ला पाए। पूरी फिल्म में ऋत्विक और सृष्टि का रोमांस बनावटी-सा लगता है। नकली से लगते अमेरिकी उच्चारण की अंग्रेजी बोलते हुए रजित, शीबा और बरखा अपनी कमजोरी को दर्शाते हैं। फिल्म की कहानी में ना कोई ट्विस्ट और ना ही रोमांच है। पहले से यह संकेत मिलने लगता है कि कहानी का अंत क्या होगा। स्क्रिप्ट की यही कमजोरी दर्शकों को बांधने में विफल साबित हुई। मेकर्स को समलैंगिकता की कहानी कहने का सलीका नहीं आया। एक गंभीर विषय पर बनी यह फिल्म कभी भी गंभीरता का एहसास नहीं दिलाती। समलैंगिकता की तह में जाकर किरदारों को मजूबत होने नहीं दिया गया।

निर्देशन की पिच पर आनंद कच्चे खिलाड़ी साबित हुए। माधुरी जैसी दिग्गज अभिनेत्री की मौजूदगी को वह नहीं भुना पाए। फिल्म में बेबाकी से समलैंगिकता के मुद्दे को भी नहीं उकेरा गया। माधुरी के किरदार को और खुलकर सामने लाया जा सकता था। लव पर स्क्वायर फिट और बंदिश बैंडिट्स जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके आनंद की यह फिल्म देखकर लगता ही नहीं कि यह उनकी फिल्म है।

जो लोग अच्छी म्यूजिक की उम्मीद लगाए फिल्म देखेंगे, उन्हें निराशा हाथ लगेगी। फिल्म के गाने कोई खास नहीं हैं, जो दर्शकों की जुबां पर चढ़ जाएंगे। फिल्म के डायलॉग भी साधारण ही हैं।

मेकर्स इस कोशिश के लिए बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने उस मुद्दे पर फिल्म बनाई, जिस पर बात करने से लोग कतराते हैं। फिल्म में होमोसेक्सुअल और गे जैसे शब्द खूब इस्तेमाल किए गए हैं। आधुनिक पीढ़ी की फिल्मों में ऐसी बाते की जा रही हैं, यह अच्छी बात हो सकती है। फिल्म में हल्की-फुल्की कॉमेडी अच्छी लग सकती है। इसके अलावा फिल्म रिश्तों के ताने-बाने को भी दर्शाती है। हमेशा की तरह माधुरी का डांस देखने लायक है।

माधुरी के प्रशंसक यह फिल्म देख सकते हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में पहली बार इस प्रकार का किरदार निभाया है। यह एक ओटीटी प्लेटफॉर्म के मिजाज की हल्की-फुल्की और सपाट फिल्म है। उन लोगों को अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, जो अच्छी कहानी वाली फिल्म देखने के शौकीन हों। समलैंगिकता पर बनी फिल्म में इमोशन ढूढ़ने वालों को भी इसमें कुछ नहीं मिलेगा। हमारी तरफ से इस फिल्म को पांच में से दो स्टार।

ऋतिक रोशन-सैफ अली खान की विक्रम वेधा ने दुनियाभर में कमाए 100 करोड़ रुपये

दिग्गज अभिनेता ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की फिल्म विक्रम वेधा 30 सितंबर को सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बेहद धीमी शुरुआत मिली थी। हालांकि, अब फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो गई है। फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। विक्रम वेधा इसी नाम से बनी एक तमिल फिल्म की हिंदी रीमेक है, जिसका निर्देशन पुष्कर-गायत्री ने किया है।

प्रोडक्शन कंपनी रिलायंस एंटरटेनमेंट ने फिल्म की कमाई का आंकड़ा शेयर किया है। रिलायंस एंटरटेनमेंट ने अपने ट्विटर पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फिल्म विक्रम वेधा ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का जश्न मनाया! इस फिल्म ने आठ दिनों में केवल विदेशों में 31.72 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। खबरों की मानें तो इस फिल्म को करीब 150 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक की विक्रम वेधा ने पहले दिन भारत में 10.58 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड में 36.94 करोड़ रुपये कमाए थे। एक सप्ताह बाद इसकी कमाई का आंकड़ा 58.57 करोड़ रुपये तक पहुंचा। खबरों की मानें तो हिंदी सर्किट में फिल्म ने मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत में फिल्म को बड़े पैमाने पर 4,007 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। 7 अक्टूबर को रिलीज हुई गुडबाय और 5 अक्टूबर को आई गॉडफादर से विक्रम वेधा को टक्कर मिल रही है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

मौसम अलर्ट, आने वाले दो तीन दिनों में होगी भारी वर्षा

रायपुर। अक्टूबर में मॉनसून की विदाई के बाद भी कई राज्यों में बारिश जारी है। दिल्ली, महाराष्ट्र, यूपी समेत कई राज्यों में शनिवार को बारिश हुई। दिल्ली करीब 12 घंटे तक बारिश होने से कई इलाकों में जाम लग गया। दिल्ली पुलिस ने यात्रियों को इसे ध्यान में रखकर लोगों को यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली समेत 17 राज्यों में अगले तीन दिन तक भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार के मुताबिक, आने वाले 2-3 दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। हरियाणा में 8 अक्टूबर और 9 अक्टूबर को जबकि यूपी, उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान में 11 अक्टूबर तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो आज उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा मौमस वैज्ञानिकों का कहना है कि असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी काफी बारिश हो सकती है। इस दौरान स्थानीय लोगों को अलर्ट पर रहने की सलाह दी गई है। तटीय आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

एनएसयूआई स्कूल यूनिट का हुआ गठन

धमतरी। एनएसयूआई का स्कूल विंग राहुल गांधी स्कूल स्टूडेंट यूनिट (आर जी एस एस यु) के अध्यक्ष का हुआ घोषणा ,भौमिक नाग (सर्वोदय इंग्लिश मीडियम स्कूल) अध्यक्ष बनाये गये व आदित्य चौधरी (केंद्रीय विधालय,धमतरी) कार्यकारी अध्यक्ष बनाये गये। महापौर विजय देवांगन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को एनएसयुआई का गमछा पहनाकर बधाई दिया और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिया। एनएसयुआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने बताया की हर वर्ष स्कूल के छात्र बड़ी संख्या मे एनएसयूआई की कार्यशैली से प्रभावित होकर संगठन मे जुड़ते है और कार्य करते है। इस दौरान शुभम साहू,जय श्रीवास्तव,ॠषि साहू,नोमेश सिन्हा, नमन बंजारे,बसंत सिन्हा, प्रेम मंडावी,मृदुल नंवारे सहित स्कूली छात्र उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री ने किया दुर्गोत्सव समितियों का सम्मान

दशहरा मिलन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में दशहरा मिलन समारोह और दुर्गोत्सव समितियों का सम्मान करने के बहाने पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। इस आयोजन में दुर्गोत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ ही शहर के हर वार्ड से भाजपा पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ता पहुंचे थे। कुंदन पैलेस में भीड़ देखकर ऐसा लगा कि पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल बिखरे कार्यकर्ताओं को समेटने की कोशिश कर रहे हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में दिग्गज भाजपा नेता अमर अग्रवाल के हार की वजह कार्यकर्ताओं के साथ ही संघ की नाराजगी को माना जा रहा था। अपनी हार के बाद भी अमर अग्रवाल लगातार शहर में राजनीतिक रूप से सक्रिय नजर आते रहे। धार्मिक, सामाजिक आयोजनों के साथ ही वार्ड की समस्याओं को लेकर उन्होंने धरना-प्रदर्शन और घेराव भी किया। इसके साथ ही शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर भी लगातार अपनी विरोध की आवाज बुलंद करते रहे हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन पर भी सत्ता के खिलाफ राजनीतिक प्रदर्शन किया और समारोह न मना कर नगर निगम और राज्य सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर हल्ला बोला।

नवरात्र पर्व में हर वार्ड में कराया जगराता

नवरात्र पर्व में अमर अग्रवाल ने हिंदू वोटरों को समेटने की कोशिश शुरू कर दी है। उन्होंने शहर के हर वार्ड में भाजपा पार्षद और पदाधकारियों के माध्यम से जगराता का आयोजन कराया और खुद लोगों से मिलने भी पहुंचे। इस तरह से धार्मिक आयोजनों के बहाने उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि चुनाव के पहले ही सभी तैयारी में जुट जाएं।

प्रदेश अध्यक्ष साव की मौजूदगी में हुआ जलसा

अमर अग्रवाल 15 साल तक सत्ता में रहने के दौरान वे अधिकांश दुर्गोत्सव समितियों को हर साल आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग देते रहे हैं। स्वाभाविक है कि इसके एवज में चुनाव के दौरान दुर्गोत्सव समितियां खुलकर उनके पक्ष में सक्रिय हो जाती थी। लेकिन विधानसभा चुनाव में हारने के बाद सारे वोट बैंक बिखर गए, जिसे समेटने के लिए उन्होंने इस बार फिर से कोशिश शुरू कर दी है। भाजपा युवा मोर्चा के बैनर तले उन्होंने शहर की करीब 250 समितियों का सम्मान किया और दशहरा मिलन समारोह आयोजित कर भोज कराया। इस आयोजन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव भी मौजूद रहे, जिन्होंने पूर्व मंत्री के इस शक्ति प्रदर्शन को देखा।

छत्तीसगढ़ में दिसंबर 2022 तक सड़कें गड्ढा मुक्त हों - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने खराब सड़कों की शिकायतों पर जतायी नाराजगी

मुख्यमंत्री ने कहा, खराब सड़कों की मरम्मत का कलेक्टर स्वयं मॉनिटरिंग करें

सड़क मरम्मत के लिए बजट की कोई कमी नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में आगामी दिसंबर माह तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में अनेक जगहों पर खराब सड़कों की शिकायतों पर सख्त रवैया अपनाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, सड़कों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। मुझे खस्ताहाल सड़कों को लेकर कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। इसके लिए जिला कलेक्टरों को नोडल अधिकारी के रूप में काम करने को कहा है।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन आज मुख्यमंत्री बघेल ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राज्य के अनेक स्थानों पर खराब सड़कों की शिकायतों पर तल्ख रूख दिखाया। उन्होंने खराब सड़कों को शीघ्र बनाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 6181 किलोमीटर की सड़कों में तत्काल पैचवर्क करके ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कड़े शब्दों में कहा कि, दिसंबर 2022 तक राज्य की सड़कों को गड्ढा मुक्त करें। सड़क मरम्मत के लिए बजट की कोई कमी नहीं आएगी। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि, खराब सड़कों की मरम्मत का कलेक्टर स्वयं मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि, दौरे पर जाऊंगा तो खराब सड़कों की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। सड़क हर हाल में बनना चाहिए। सड़क किसी भी विभाग की हो, मुझे कोई बहाना नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर दुबारा चर्चा नहीं करने की बात की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सड़क निर्माण की सभी संस्थाओं को आपस में कोआर्डिनेट करने के निर्देश दिए। इस कार्य में कलेक्टर्स नोडल अधिकारी के रूप में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि, किसी विभाग को सड़क निर्माण में दिक्कत है तो वो एनओसी दे, जिसके बाद लोक निर्माण विभाग काम करेगा। मुख्यमंत्री ने तल्ख लहजे में कहा कि, सड़कों का निर्माण प्राथमिकता है, कौन सा विभाग निर्माण करता है ये मायने नहीं रखता।

बस्तर दशहरा रथ निर्माण क्षतिपूर्ति पौधरोपण में लगाए गए 300 पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर दशहरा में अब आगामी वर्ष से एक नया रस्म जुड़ेगा। बस्तर दशहरा में चलने वाले रथ के निर्माण के लिए लगने वाली लकड़ियों की क्षतिपूर्ति के लिए अब प्रति वर्ष साल और बीजा के पौधे लगाने का कार्य करने के साथ ही इसे बस्तर दशहरा के अनिवार्य रस्म में जोड़ा जाएगा। यह घोषणा सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष दीपक बैज ने मारकेल में बस्तर दशहरा रथ निर्माण क्षतिपूर्ति पौधरोपण कार्यक्रम की। इस दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, मांझी, चालकी, मेंबरिन, बस्तर दशहरा समिति के सचिव पुष्पराज पात्र, लोहण्डीगुड़ा तहसीलदार अर्जुन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने साल और बीजा के पौधे लगाए।

इस अवसर पर सांसद दीपक बैज ने कहा कि बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता के साथ अपने अनूठे रस्मों के कारण पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। इस रथ के निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी का उपयोग किया जाता है, जिसके लिए वृक्षों को काटने की आवश्यकता पड़ती है। बस्तर दशहरा का पर्व सदियों से आयोजित किया जा रहा है और यह आगे भी यह इसी भव्यता के साथ आयोजित होती रहे, इसके लिए हमें भविष्य में भी लकड़ियों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि बस्तर की हरियाली को बनाए रखने और बस्तर दशहरा के लिए लकड़ियों की सतत आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए अब प्रतिवर्ष साल और बीजा के पौधे लगाने का कार्य बस्तर दशहरा के रस्म के तौर पर आयोजित किया जाएगा। यह पर्व मानसून के दौरान हरियाली अमावश्या को प्रारंभ होने के कारण उसी दौरान पौधे लगाए जाएंगे सांसद दीपक बैज ने कहा कि इसी स्थान पर पिछले वर्ष 360 पौधे लगाए गए थे, जिनमें मात्र 03 पौधे नष्ट हुए, जिनके स्थान पर नए पौधे लगा दिए गए हैं। सांसद ने यहां लगाए गए पौधों की रखवाली कर रहे लैखन और बहादुर को पांच-पांच रुपए प्रदान करने के साथ ही उनके रहने के लिए शेड बनाने की घोषणा भी की।आज लगाए गए 300 पौधों के कारण यहां पौधों की बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए सोलर ऊर्जा संचालित पंप की स्थापना की घोषणा भी की।

36वां नेशनल गेमः छत्तीसगढ़ सॉफ्टबॉल महिला टीम ने पिछली बार की विजेता केरल को 1-0 से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 36वें नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ की सॉफ्टबॉल महिला टीम ने आज पिछली बार की विजेता केरल की टीम को 1-0 से हरा दिया। 5 इनिंग तक चले इस रोमांचकारी मैच में दर्शकों की दिलचस्पी अंत तक बनी रही। छत्तीसगढ़ सॉफ्टबॉल महिला टीम मेजबान गुजरात और केरल को हराकर अपने पूल में सबसे आगे है। कल छत्तीसगढ़ का मैच दिल्ली के साथ होगा।

आज हुए मुकाबले में केरल ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और छत्तीसगढ़ को पहले बैटिंग करने के लिए कहा। केरल ने शानदार शुरुआत की और अपनी जोरदार पिचिंग में छत्तीसगढ़ के पहले बैटर गंगा सोना को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन दूसरे बैटर अंजू तांडी ने केरल की जोरदार पिचिंग का बहुत ही हिम्मत के साथ मुकाबला किया और हिट मारकर पहले बेस में पहुंचने पर कामयाब रही। उसके बाद छत्तीसगढ़ की बरखा यादव ने भी अपनी बैटिंग से अंजू तांडी को थर्ड बेस तक पहुंचाने में मदद की। बैटिंग का यह क्रम आगे नहीं बढ़ पाया और सोनाली साव ने एक लंबा हिट मारा जो कैच हो गया और इस तरह सोनाली आउट हो गई। लेकिन इस दौरान अंजू तांडी ने बेहतरीन रनिंग का प्रदर्शन करके एक रन पूरा कर लिया।

इसके बाद छत्तीसगढ़ की फील्डिंग में गंगा सोना ने बहुत जोरदार पिचिंग की और केरल की सभी बेहतरीन बैटर को शून्य पर आउट कर दिया। इस प्रकार पहले इनिंग पर छत्तीसगढ़ की टीम 1-0 से आगे हो गई। दूसरी से लेकर पांचवी इनिंग तक दोनों ही टीमें रन बनाने के लिए जोर आजमाइश करते रहे लेकिन बार-बार थर्ड बेस पहुंचने के बावजूद कोई भी टीम रन बनाने में कामयाब नहीं हो सकी। केरल ने पांचवी इनिंग तक छत्तीसगढ़ को और रन बनाने का मौका नहीं दिया। इस समय तक छत्तीसगढ़ केरल की टीम से से एक ही रन से ही आगे थी। इसके बाद केरल की बैटिंग थी। जिसमें केरल ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी और खेल रोमांचकारी हो गया। एक बार तो ऐसा लगा कि केरल की टीम एक ही हिट में 2 रन बना लेगी लेकिन छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी बरखा यादव, अंजू तांडी ने बेहतरीन फील्डिंग करते हुए बहुत ही कठिन कैच पकड़े जिससे केरल की टीम शून्य पर आउट हो गई और इस संघर्षपूर्ण मैच को छत्तीसगढ़ 1-0 से जीतने में कामयाब रही।

मानसिक बीमारियों से बचाव के लिए जीवन-शैली को रखें व्यवस्थित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए तनाव को भूलकर स्वस्थ जीवन-शैली अपनाने के लिए लोगों को जागरूक करने 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ''विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस'' मनाया जाएगा। इस मौके पर लोगों को मानसिक अस्वस्थता के कारण, लक्षण तथा इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को मानसिक सेहत के लिए जागरुक करना है। साथ ही पीड़ित व्यक्ति के मन-मस्तिष्क में आशा की किरण जगाना है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक मानसिक स्वास्थ्य जन-जागरूकता सप्ताह का भी आयोजन किया जा रहा है। यह दिवस इस साल ' 'मेक मेंटल हेल्थ एंड वेल-बिइंग फॉर ऑल ए ग्लोबल प्रियोरिटी की थीम पर मनाया जा रहा है। दुनिया भर में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए वर्ष 1992 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। विश्व में हर तबके के लोगों तक इस बीमारी के बारे में जानकारी पहुंचाना और उन्हें इससे बचने के लिए सचेत करना भी इस दिन के आयोजन का उद्देश्य है।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरुकता के लिए इस वर्ष की थीम पर जोर देते हुए सभी जिलों में कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अंतर्गत दस वर्ष से अधिक आयु के स्कूली बच्चों, महिलाओं, किशोरों व बुजुर्गों के लिए अलग-अलग जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। शिविर के माध्यम से मनोरोगियों की पहचान कर उपचार किया जाएगा। साथ ही जेलों में भी मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। गांवों में चौपाल, मानसिक स्वास्थ्य विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, आईईसी के अंतर्गत पॉम्पलेट, बैनर, पोस्टर, जागरूकता कॉर्ड का वितरण, सामुदायिक बैठक, रेडियो जिंगल्स, माइकिंग आदि गतिविधियां संचालित की जाएंगी। हैशटैग कैंपेन 'ब्रेक द स्टिग्मा एंड मिथ ङ्क मेंटल वेल बिइंग पर ऑल के तहत विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों व्हाट्स-एप, ट्वीटर, फेसबुक आदि के माध्यम से संबंधित गतिविधियों को साझा कर लोगों में जागरूकता का प्रसार किया जाएगा।

आवश्यकता है

श्रीकांत इंडस्ट्रीज को फैक्ट्री के अंदर साईट सुपरवाइजर की आवश्यकता है - 131, 132, 135-बी, 136-बी, लाइट इंडस्ट्रीज एरिया, भिलाई - 490026

संपर्क करें

महेन्द्र शर्मा, मो. 9303700461

Y Fitness

- Gym Servicing
- Gym Equipment & Accessories Available
- Home Treadmill & Gym Service Available

start 17500/-

Bajaj Finance Available

Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh

Facebook id - Protein Planet Bhilai

9098981555

SAIRAM Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

राजहंस राजस्थानी थाली

पार्सल सुविधा

स्वाद घर का.....

राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें

घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई

संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स

जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन

एक बार अवश्य पधारें

गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery

Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai

Hello: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111

Rishabh Jain 8103831329

बच्चा चोरी के शक में पिटाई पर दुर्ग पुलिस का बड़ा एक्शन, गांवों में चौपाल लगाकर दी ग्रामीणों को चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बच्चा चोरी के शक में बढ़ते पिटाई के मामलों ने पुलिस के नाक में दम कर रखा है। एसपी से लेकर अन्य अफसरों की अपील के बाद भी इस तरह की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। अब इससे निपटने के लिए पुलिस ने नया तरीका निकाला है। रविवार को अलग अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीम ने गांवों में चौपाल लगाई और लोगों को समझाइश देते हुए चेतावनी भी दी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कोई भी संदिग्ध दिखे तो पुलिस को सूचना दें कानून हाथ में न लें। यदि बच्चा चोरी के शक में पिटाई का मामला सामने आता है तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें दुर्ग जिले में बच्चा चोरी के शक में पिटाई के तीन मामले सामने आ चुके हैं। खुर्सीपार में बच्चा चोरी के आरोप में पांच महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद यह मुद्दा उछला। 5 अक्टूबर को चरोदा बस्ती में राजस्थान अलवर के तीन साधुओं की पिटाई कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 6 अक्टूबर को मचांदुर चौकी क्षेत्र के ग्राम खोपली में मानसिक रोगी की पिटाई कर दी गई। इस मामले में तीन आरोपी पकड़े गए। अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ कि दुर्ग के गंजपारा में शनिवार की रात को दो फेरीवाले व उसकी साले की पिटाई कर दी गई।

एसपी के निर्देश पर लगी गांवों में चौपाल

पुलिस अधीक्षक दुर्ग डॉक्टर अभिषेक पल्लव के निर्देश पर ज़िले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें अभी के समय में लगातार चल रही अफवाहों से बचने के लिए लोगों को जागरूक कराया गया। जिसमें बच्चा चोरी की अफवाह से बचने के लिए गांव-गांव में पुलिस चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक किया गया द्य इस दौरान लोगों से अफवाहों के संबंध में किसी भी प्रकार का संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने के लिए निर्देश दिया गया है। लोगों को कहा गया है कि यदि गांव में कोई अनजान व्यक्ति आता है या किसी भी प्रकार का कोई संदेह है तो तत्काल पुलिस को या डायल 112 पर काल करें। किसी के साथ मारपीट ना करें। बच्चा चोरी की अफवाह सोशल मीडिया या अन्य तरीकों से यदि कोई फैलता है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान यह भी कहा गया कि संदिग्ध व्यक्ति पर स्वयं व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से हिंसा की जाती है तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खास खबर

हाईवे में स्थित होटल व ढाबों में पुलिस कर रही लगातार चेकिंग

महासमुंद (ए)। जिले पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन से समस्त थाना क्षेत्रों में विजिबल पुलिसिंग के तहत सघन पैदल पेट्रोलिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत संवेदनशील स्थानों अड्डे बाजी वाले स्थानों भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार पुलिस की टीम पेट्रोलिंग कर रही है इसके साथ ही व्यस्ततम चौक चौराहों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस टीम द्वारा सघन पैदल पेट्रोलिंग की जा रही है। पैदल पेट्रोलिंग के माध्यम से शांति भंग करने वालों उत्पाद करने वालों लड़ाई झगड़ा मारपीट करने वालों व संदिग्ध व्यक्तियों पर चेकिंग कार्यवाही भी की जा रही है तथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

सड़कों चौक चौराहों में सीसीटीवी कैमरा व आने जाने वाले संदिग्धों की भी सघन चेकिंग की जा रही है व्यापारियों व बाजार की सुरक्षा के लिहाज से इस प्रकार की चेकिंग लगातार आगे भी कराई जाएगी। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में लगातार भ्रमण व चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आगामी त्यौहारों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महासमुंद द्वारा समस्त अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को लगातार बाजार क्षेत्रों में दिन व रात पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा रात के समय अतिरिक्त फिक्स पॉइंट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महासमुंद आकाश राव गिरेपुंजे के पर्यवेक्षण में सभी पुलिस अनुविभागीय अधिकारी व थाना प्रभारियों के सक्रिय निरीक्षण में की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के साथ पकड़ाया कांग्रेस नेता, दो महिला नक्सलियों का इलाज कराने जा रहा था वारंगल

बीजापुर। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर आ रही है। यहां के एक कांग्रेस नेता को दो नक्सलियों के साथ पुलिस ने हिरासत में लिया है। कांग्रेस नेता दो महिला नक्सलियों का इलाज कराने तेलंगाना के वारंगल जा रहा था। इस बीच मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने कांग्रेस नेता के साथ महिला नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल इस मामले में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेता बीजापुर जिले के भोपालपट्टनम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का महामंत्री बताया जा रहा है। कांग्रेस नेता 2 महिला नक्सलियों को तेलंगाना के वारंगल लेकर जा रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों महिला नक्सलियों को वारंगल के किसी अस्पताल में इलाज के लिए ले जा रहा था। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने हनमाकोंडा के पास तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि इस गिरफ्तारी को लेकर बीजापुर पुलिस ने अधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा है।

छुट्टी में घर आये सीआरपीएफ जवान को अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर

महासमुंद। माधव ने बताया की शैलेन्द्र साव का बरोली रोड में एक्सीडेंट हो गया है तब सूचना पाकर अपने परिवार के साथ देखने गया तो देखा कि बरोली रोड पुल के शैलेन्द्र साव जो सीआरपीएफ फोर्स में है जो छुट्टी में घर आया है खेत में पडा हुआ था जिसे खेत से निकालकर देखे तो उसका बांया पैर टूट गया था जो दर्द से कराह रहा था जिसे ईलाज हेतु जगदीशपुर अस्पताल ले गये ।

ईलाज पश्चात सीआरपीएफ जवान ने बताया कि रात्रि 10.00 बजे खाना खाकर बरोली रोड की ओर टहलने गया था. टहलते हुए वापस गांव की ओर आ रहा था कि पिछे तरफ अज्ञात चारपहिया वाहन के चालक द्वारा अपने वाहन को तेज रफतार व लापरवाही पूर्वक चलाकर मुझे ठोकर मारकर चला गया, एक्सीडेंट से मेरे बांए पैर एवं सिर में चोंट लगा है सीआरपीएफ जवान को जगदीशपुर अस्पताल से रिफर कर रायपुर मेडिसाइन ईलाज चल रहा है।

पुलिस मुखबिरी के शक में दिनदहाड़े पूर्व सरपंच को नक्सलियों ने मारी गोली

कांकेर। रविवार को नक्सलियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। यहां पुलिस मुखबिरी के शक में पूर्व सरपंच को दिन दहाड़े गोलियों से भून दिया गया। पूर्व सरपंच के पेट व पैर पर गोली लगी है। घटना के बाद नक्सली जंगल की ओर भाग गए। वहीं पूर्व सरपंच को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार कांकेर के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र में चारगांव के पूर्व सरपंच को नक्सलियों ने गोली मार दी। पूर्व सरपंच का नाम सियाराम रामटेके है। घटना रविवार सुबह की है। सियाराम अपने घर पर था तभी लगभग आधा दर्जन नक्सली चेहरे पर नकाब बांधे घर में घुसे। नक्सलियों ने पूर्व सरपंच से कहा पुलिस मुखबिरी करते हो इसकी सजा मिलेगी और यह कहते हुए गोलियां बरसा दी। गोलियां बरसाने के बाद नक्सली जंगल की ओर भाग गए।

इधर इस गोलीबारी से पूर्व सरपंच गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से पूर्व सरपंच के परिजन बुरी तरह से डर गए और नक्सलियों के भागने के बाद पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस को भी बुलाया। कुछ देर में एंबुलेंस पहुंचा तो घायल पूर्व सरपंच को अस्पताल पहुंचाया गया। पूर्व सरपंच का यहां के जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने इस मामले में विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस की टीम को देखकर तालाब में कूदे जुआरी, एक की मौत

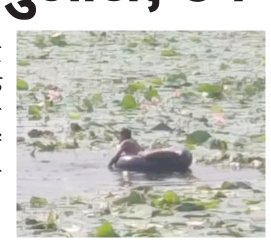

रायगढ़ (ए)। तालाब किनारे जुए का फाड़ लगाकर बैठे जुआरियों ने जैसे ही पुलिस की टीम को देखा, जिसे जहां मिला वहां भागा। इस दौरान 4-5 लोग तालाब में कूद गए, बाकी तो बाहर आ गए, लेकिन एक डूब गया। उसका शव रविवार को गोताखोरो ने बरामद कर लिया है। घटना खरसिया थाना क्षेत्र की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को खरसिया थाना क्षेत्र के हालाहुली गांव में जुआ चल रहा है। जुआ की सूचना पर खरसिया थाना प्रभारी नंद किशोर गौतम शासकीय वाहन तथा मोटरसाइकिल में सिविल ड्रेस में पहुँचे थे। डूमरभाठा से पगडंडी होकर हालाहुली जाने वाले रास्ते से गांव पहुंचने पर गांव के तालाब के पास कुछ युवक जुआ खेल रहे थे। पुलिस टीम को देखकर हड़बड़ा कर युवक भागने लगे। वही उनमें से कुछ युवक पुलिस के डर से तालाब में कूद गए। तालाब में कूदे 4 से 5 युवक किसी तरह तैर कर बाहर निकले। वही तालाब के अंदर से एक युवक बचाओ बचाओ की आवाज दे रहा था। जिसे बचाने के लिए आरक्षक नंद किशोर गौतम व योगेंद्र सिदार कूदे। और डूबे व्यक्ति को खोजने का प्रयास किया। पर परसा पान की अधिकता और अंधेरा होने की वजह से डूबे युवक का पता नही चल पाया। जुआ फड़ के पास देखने पर पता चला कि दो बाइक व कुछ चप्पल वहां पड़े हैं। गांव वालों को दिखा कर पूछने व पता करने पर पता चला कि गांव का ही जगदीश राठौर पिता गोपाल राठौर उम्र 40 वर्ष अब तक तालाबा के अंदर है। सुबह की रोशनी होने के बाद पुलिस ने गोताखोरों के साथ तलाश शुरू की। 8 फिट गहरे पानी मे जगदीश राठौर का शव दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने बाहर निकाला। जगदीश वाहन चलाने का काम करता था। उसकी तीन संताने है। गांव वालों के अनुसार उसे जुए की लत थी और उसकी आर्थिक स्थिति भी खराब थी। पुलिस के द्वारा मृतक जगदीश राठौर के परिवार को आर्थिक सहायता दी गई। पुलिस ने मृतक के शव को खरसिया के सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

खाना देने से मना करने पर पति ने की पत्नी की हत्या

जशपुर। जिले में दो अलग अलग हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक मामले में पति ने पत्नी की हत्या कर साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस की जांच में पकड़ा गया। वहीं दूसरे मामले में एक युवक की दो युवकों ने मिलकर पिटाई कर दी जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह दोनों ही मामले जशपुर जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र की हैं।

पहले मामले में कुनकुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत लोटा पानी निवासी राजबल राम ने अपनी पत्नी चिरंगो बाई की हत्या कर दी थी। घटना 7 अक्टूबर की है। पति-पत्नी ने पहले शराब की और उसके बाद पति ने खाना परोसने कहा। पत्नी ने मना किया तो पति ने इतनी बुरी तरह से उसे पीटा कि उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद पुलिस से बचने के लिए उसने मृतका के कपड़े भी बदल दिए और पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। इसके बाद जांच हुई तो पुलिस को राजबल पर ही शक हुआ। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कुबूल कर लिया।

दूसरे मामले में कुनकुरी निवासी अरुण चौहान को राजू चौहान एवं कोबरा उर्फ राजेश राम ने मामूली विवाद के बाद जमकर पिटाई कर दी। पिटाई से वह बेहोश हो गया जिसे होली क्रास अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। चोट गंभीर होने से उसे अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। शनिवार सुबह 6 बजे अरुण चौहान की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया और राजू चौहान और कोबरा उर्फ राजेश राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मूर्ति विसर्जन करने जा रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने बरसाए डंडे, महिलाओं को भी पीटा, एसडीओपी ने मांगी माफी

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। नवनिर्मित जिले में सरस्वती प्रतिमा विसर्जन के दौरान जमकर बवाल हो गया। रात में मूर्ति विसर्जन करने जा रहे ग्रामीण के साथ पुलिस की झड़प हो गई। जिससे ग्रामीण भी पुलिस से भिड़ गए। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने दस घंटे तक हाइवे जाम कर दिया। जिससे दोनों ओर लगभग दस घंटे तक वाहनों की लंबी-लंबी कतार लगी रही। दरअसल घटना जिले के मोहला की है। जहां पुलिस ने मूर्ति विसर्जन करने जा रही महिलाओं और बच्चों को तक नहीं बख्शा उन पर भी डंडे बरसा दिए। आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार रात में ही थाना के सामने मुख्य मार्ग में करीब 10 घंटे तक चक्काजाम कर दिया। रविवार को 10 बजे तक ग्रामीण थाने के सामने बैठे रहे। जब एसडीओपी ने इस पूरे मामले पर ग्रामीणों से माफी मांगी तब जाकर मामला शांत हुआ।

मोहला के ग्रामीण शनिवार रात को सरस्वती के मूर्ति का विजर्सन कर रहे थे। विजर्सन के दौरान डीजे व बैंड बाजा के साथ ग्रामीण नाच रहे थे। इस दौरान सड़क पर व्यवस्था बनाने पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी मौके पर पहुंची और सड़क पर नाच रहे ग्रामीणों से यातायात व्यवस्था बाधित नहीं करने की बात कही। इस दौरान पेट्रोलिंग पार्टी के चालक के साथ ग्रामीणों की हाथापाई हो गई और ग्रामीणों ने पुलिस पेट्रोलिंग वाहन पर तोडफ़ोड़ कर दिया। आक्रोशित पुलिस वाले वहां से थाना पहुंचे और दलबल के साथ फिर विसर्जन यात्रा में पहुंच कर ग्रामीणों पर ताबड़तोड़ हमला कर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस व ग्रामीणों के बीच जमकर मारपीट व हाथापाई होती रही। पुलिस बल के द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाकर आक्रोशित ग्रामीण थाना के सामने पहुंचे और रात करीब डेढ़ बजे चक्काजाम पर बैठ गए। रविवार को एसपी अक्षय कुमार, एसडीओपी अर्जुन कुर्रे मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश देकर चक्काजाम को खुलवाया।

एसडीओपी पर कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने बताया कि पेट्रोलिंग वाहन चालक से विवाद बाद एसडीओपी अर्जुन कुर्रे दल बल के साथ पहुंचे थे और ग्रामीणों से मारपीट शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने एसडीओपी कुर्रे व कुछ सिपाहियों पर बेवजह ही ग्रामीणों से जमकर मारपीट का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि मौके पर महिला पुलिस भी पहुंची थी और महिलाओं से भी मारपीट की गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने एसडीओपी व दोषी सिपाहियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

स्कॉलरशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, इस तारीख तक छात्र कर सकते हैं आवेदन

भिलाई। अल्पसंख्यक समुदाय मुस्लिम, ईसाई, सिक्ख, बौद्ध, जैन एवं पारसी के प्रतिभावान विद्यार्थियों से वर्ष 2022-23 के लिये प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट-कम-मीन्स एवं बेगम हजरत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन भारत सरकार अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली की वेबसाईट में आमंत्रित किया गया है। प्री-मैट्रिक एवं बेगम हजरत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर एवं पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट-कम-मिन्स अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 तक है। इस वर्ष नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल में संस्थाओं के सत्यापन प्रक्रिया में परिवर्तन किया गया है। प्रत्येक संस्था को अपने लॉगिन के माध्यम से संस्था के अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी (संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी) के आधार नंबर की प्रविष्टि करनी होगी। उक्त प्रविष्टि को जिलाधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाएगा। इसके पश्चात् ही संस्था द्वारा विद्यार्थियों की स्क्रूटनी की जा सकेगी। नोडल अधिकारी द्वारा प्रविष्ट किए गए आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर ही संस्था को विभिन्न प्रक्रियाओं हेतु ओटीपी प्राप्त होगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल सहायक आयुक्त आदिवासी विकास में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं के नोडल प्राचार्य, प्राचार्य एवं प्रधानाचार्य के संस्था में अध्ययनरत अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र, छात्राएं जो छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है। उन्हें अनिवार्य रूप से ऑनलाईन आवेदन कराया जाना आवश्यक है।

बुजुर्ग महिला चोर गिरफ्तार, दो साल से कर रही थी चोरी पर कभी नहीं हुआ शक

भिलाई। सुपेला पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला चोर को गिरफ्तार किया है। महिला ने अपने ही पड़ोसी के घर से चार लाख के जेवर पार कर दिए। पीडित की शिकायत के बाद पुलिस ने चंद घंटों में ही आरोपी बुजुर्ग महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला के पास से पुलसि ने चार लाख के जेवर बरामद किए हैं। सुपेला पुलिस चोरी की धाराओं के तहत बुजुर्ग महिला पर कार्रवाई कर रही है। इस मामले में सागर मित्तल ने रविवार को सुपेला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज करने पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान पता चला कि घर के आस पास पड़ोस की बुजुर्ग महिला को देखा गया था। पुलिस ने शक के आधार पर बुजुर्ग महिला निर्मल कौर (60) को हिरासत मे लेकर पूछताछ की तो राज खुला। पुलिस ने बुजुर्ग महिला के पास से सभी चोरी के जेवर बरामद कर लिए। पुलिस पूछताछ म महिला ने बताया कि सागर मित्तल की मां ने दो साल पहले बाहर जाते समय उसे घर के मेन गेट की चाबी दी थी। बुजुर्ग महिला ने उससे एक नकली चाबी बनवा ली थी। इसके बाद जब भी परिवार कही बाहर जाता तो बुजुर्ग महिला घर के अंदर जाकर रुपए पैसे चुरा लेती थी। इसका किसी को पता भी नहीं चला।

रहमतों की बारिश के बीच महबूब की शान में निकला जुलूसे मुहम्मदी, फहराया गया परचमे इस्लाम

बारिश के बीच ईद मिलादुन्नबी पर शहर में रही जुलूस की रौनक, बच्चों की हौसला अफजाई सहित कई और कार्यक्रम भी हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पैगंबर हजरत मोहम्मद के यौमे विलादत (जन्मदिन) पर रविवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी इस्पात नगरी भिलाई में पूरी शानो शौकत के साथ मनाई गई। मुख्य जुलूस निकलने के दौरान दोपहर बाद से शहर में जम कर बारिश हुई। इसके बावजूद लोग अपने घरों से निकले और बारिश के बीच जुलूस अपना तय शुदा वक्त पर निकला। इसके पहले शहर की तमाम मस्जिदों में सुबह फज्र की नमाज के बाद परचमे इस्लाम फहराया गया। वहीं सुबह के वक्त विभिन्न सेक्टरों और कैंप, खुर्सीपार, फरीद नगर, भिलाई तीन व अन्य हिस्सों में जुलूस निकाला गया।

इस बार सुपेला रेलवे क्रॉसिंग बंद होने की वजह सुपेला, फरीद नगर व आस-पास के हिस्सों के जुलूस मुख्य जुलूस में शामिल नहीं हो पाए और अपने-अपने इलाकों से जुलूस निकाला। बारिश के बीच दोपहर बाद जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस ए मोहम्मदी निकला। जो गौसिया मस्जिद भिलाई से दारुल उलूम इस्लामिया यतीमखाना कैंप-2 से होते हुए नंदिनी रोड पावर हाउस पहुंचा। यहां शहर के दीगर हिस्सों के जुलूस भी शामिल हुए और यहां से बड़ा जुलूस सेक्टर-1 से होते हुए विभिन्न धर्म, समुदाय व संगठन के लोगों ने इस जुलूस का इस्तकबाल किया। इस जुलूस में जगह-जगह शरबत-पानी की सबील और लंगर का इंतजाम किया गया था। यहां से जुलूस सेक्टर-5 चौक होते हुए शाम 5:30 बजे तक जामा मस्जिद सेक्टर-6 पहुंचा।

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर रहमते आलम कॉन्फ्रेंस बाद नमाज मगरिब जामा मस्जिद सेक्टर-6 में रखी गई। इस दौरान महमूद अशरफ व तमाम लोगों ने पैगम्बरे इस्लाम की सीरत पाक बयान की। यह कॉन्फ्रेंस जामा मस्जिद सेक्टर-6 के साबिक ईमान सैयद मोहम्मद अजमलुद्दीन हैदर और मौजूदा इमामो खतीब इकबाल अंजुम हैदर की जेरे सरपरस्ती हुआ। वहीं शहर की तमाम मस्जिदों के इमामो-खतीब रौनके स्टेज थे। यह कॉन्फ्रेंस फरीदनगर के गुलाम मोहिउद्दीन अशरफी के जेरे निजामत हुई और नागपुर के नात ख्वां हामिद दानिश ने भी अपना कलाम पेश किया।

खातून-ए-जन्नत फातिमा पैलेस की संगे बुनियाद रखी महमूद अशरफ ने

मोहर्रम करबला कमेटी की ओर से कर्बला मैदान में जीई रोड भिलाई में खातून-ए-जन्नत फातिमा पैलेस की संगे बुनियाद 8 अक्टूबर शनिवार को आयोजित प्रोग्राम में रखी गई। इस खास मौके पर दुआओं के बीच किछौछा शरीफ के सैयद मोहम्मद महमूद अशरफ के हाथों नींव में गारा भरा गया। इस दौरान शहर की तमाम मस्जिदों को इमामो-खतीब, मस्जिद कमेटियों के सदर-सेक्रेट्री व दूसरे ओहदेदार मौजूद थे। वहीं हुसैनी मस्जिद के सदर पीर जहां शेख , गुलाम सैलानी, कलाम, धर्मेन्द्र यादव ,राम उपकार तिवारी, गनी खान , मोहम्मद जमील मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद शमीम, मोहम्मद आसिफबरकत अली, चांद खां, गुलाम सिद्दीकी, मोहम्मद नईम, मोहम्मद अतहर, गुलाम उस्मानी, रजा अंसारी और तमाम लोगों की बढ़-चढ़ कर भागीदारी रही।

ताज दरबार में फहराया परचमे इस्लाम, की गई दुआएं

हज़रत बाबा ताजुद्दीन औलिया सेवा समिति भिलाई की ओर से पैगंबर हजरत मुहम्मद के यौम ए विलादत (जन्मदिन) पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी पूरी शानो शौकत के साथ मनाया गया। इस मौके पर कैम्प-1 साक्षरता चौक के सामने स्थित ताज दरबार भिलाई में परचम कुशाई की रस्म अदा कर लोगों में तबर्रूक तक्सीम किया गया। ताज दरबार कमेटी की अध्यक्ष हज्जन बदरुनिसा ताजी और गद्दी नशीन मोहम्मद सादिक ताजी की मौजूदगी में अकीदतमंदों ने परचम कुशाई के साथ लोबान पेश की। परचम कुशाई के बाद पैगंबर हजरत मुहम्मद की शान में सलाम पेश किया गया और फिर मौजूद जायरीनों एवं पूरे शहर वासियों सहित देश दुनिया के लिए सलामती की दुआएं मांगी गई।

सेक्टर-7 में निकला जुलूस, बच्चों को मिले इनाम

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर सेक्टर-7 की आशिकाने रसूल कमेटी की ओर से सुबह के वक्त शानदार जुलूस निकाला गया। इस दौरान परचमे इस्लाम फहराया गया और फातिहा ख्वानी भी हुई। बच्चों को बग्घी की सवारी भी कराई गई। जुलूस विभिन्न स्ट्रीट से होते हुए मदरसा तक पहुंचा। जहां मार्केट व विभिन्न स्ट्रीट में जुलूस का जगह-जगह इस्तकबाल हुआ। इस दौरान अल मदद सोसाइटी की ओर से बच्चों की हौसला अफ्जाई की गई। इनमें 9 वीं से 12 तक की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण और हाफिजे कुरआन करने वाले बच्चों को मेडल, सर्टिफिकेट व इनाम देकर नवाजा गया। सभी लोगों के लिए कमेटी की तरफसे नाश्ते का इंतजाम भी किया गया। इस दौरान सेक्टर-7 के पार्षद लक्ष्मीपति राजू भी खास तौर पर उपस्थित हुए। आयोजन को सफल बनाने में अल मदद सोसाइटी की प्रेसीडेंट अंजुम अली, कौसर खान, शाहीन खान, शबाना सिद्दीकी, नरगिस, फरीदा अली, एसएन शेख, नाहीदा, फरहीन, लीना, तज्मीन, सुल्ताना, रेहाना, समीना खान, दिलशाद, शमा, जलाल व शम्शुन सहित अन्य का योगदान रहा।

स्पोर्ट्स मोड में नजर आए मेयर नीरज पाल

खेल मैदानों में पहुंचकर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल खेलकर खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर नीरज पाल आज छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल के मैदानों में पहुंचे। उन्होंने स्वयं रस्साकशी संखली और भंवरा जैसे खेल खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। महापौर को अपने बीच पाकर उपस्थित सभी का उत्साह दुगुना हो गया और जमकर लोगों ने छत्तीसगढ़िया पारंपरिक खेल का लुफ्त उठाया। महापौर नीरज पाल आज सेक्टर 9 फुटबॉल ग्राउंड, राधिका नगर स्लॉटर हाउस, शांति नगर दशहरा मैदान और बैकुंठ धाम के जेपी स्कूल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वयं छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के खेलों में भाग लिया।

संखली, पिट्ठुल, गिल्ली डंडा और भंवरा का खेल उन्होंने ऐसे खेला जैसे इसमें उन्हें पारंगत हासिल हो। उन्होंने उपस्थित सभी से कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास को बल मिलता है वही मोबाइल और टेलीविजन के मद्देनजर खेल एक बेहद अच्छा विकल्प है।

छत्तीसगढ़िया पारंपरिक खेल में अन्य जनप्रतिनिधि भी पीछे नहीं रहे। जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, सभापति गिरवर बंटी साहू, महापौर परिषद के सदस्य एवं खेल विभाग के प्रभारी आदित्य सिंह, एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर गवई, नेहा साहू, पार्षद अभिषेक मिश्रा आदि ने भी खेल का भरपूर आनंद लिया। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक जिसमें 14 प्रकार के छत्तीसगढ़िया खेल पिट्ठुल, गिल्ली डंडा, संखली, लंगडी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी, बाटी (कंचा), बिल्लस, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ एवं लंबी कूद का खेल शामिल है का लोग खेल मैदानों में पहुंचकर और खेलकर खूब आनंद ले रहे हैं।

सभी वर्ग और उम्र समूह के लोग खेल के लिए मैदानों की ओर रुख कर रहे हैं और खेल में भाग लेकर विजेता बनने का प्रयास कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के निर्देश पर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का आयोजन किया जा रहा है जिसको लेकर भिलाई के लोगों में काफी उत्साह है।

निगम आयुक्त रोहित व्यास ने शहर के आम नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर तथा खेल में भाग लेकर खेल का आनंद लें। ऑन द स्पॉट पंजीयन की व्यवस्था भी की गई है। कोई भी व्यक्ति पहुंचकर तुरंत ही खेल में भाग ले सकता है। 6 से 11 अक्टूबर तक प्रथम चरण का आयोजन किया जा रहा है। विजेता प्रतिभागी आगे होने वाले चरणों में भाग लेंगे और पुरस्कार प्राप्त करेंगे। सोमवार को राधिका नगर स्लॉटर हाउस मैदान, शांति नगर दशहरा मैदान, जेपी नगर स्कूल बैकुंठधाम पानी टंकी के पास तथा सेक्टर 9 फुटबॉल ग्राउंड में खेल का आयोजन होगा।

खेल के दौरान अधिकारियों में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन आयुक्त एनआर रत्नेश, मनीष गायकवाड, पूजा पिल्ले, कार्यपालन अभियंता टीके रणदिवे, सुनील दुबे, कुलदीप गुप्ता तथा महापौर के निज सचिव वसीम खान विशेष रूप से मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ी ओलंपिक खेलों की इस प्रतियोगिता में 263 से ज्यादा लोगो ने अपना हाथ आजमाएं

दुर्ग। सीमा अंतर्गत 60 वार्डो में छत्तीसगढ़या ओलंपिक रविवार को शुरू हुआ। निगमाधिकारियो ने प्रतियोगिता शुरू करवाई। 14 अलग विधा के खेलों में 263 से अधिक महिला,पुरुष एवं बच्चे खेल में शामिल पिट्ठल, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बिल्लस, फुगड़ी सहित अन्य में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं भौंरा, कबड्डी, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, बांटी जैसे प्रतियोगिता में बच्चे व पुरूष वर्ग शामिल हुए। छत्तीसगढ़ी ओलंपिक खेलों की इस प्रतियोगिता में अपने हाथ अजमा रहें बच्चे,बुजुर्ग,युवा व महिला,खो खो ,कबड्डी,बिलस, गिल्ली डंडा, कांची जैसे खेलो का रोमांच, छत्तीसगढ़ी ओलंपिक छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल हर मोहल्ले एवं गलियों तक लोगो के जुबा पर लगे हैं। दुर्ग शहर क्षेत्र के भी 8 जोन स्तर वार्डों में खेलों का आयोजन प्रारंभ हो गया है।महापौर धीरज बाकलीवाल इस शानदार पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी ने खेला पद्मनाभपुर स्थित विवेकानंद उद्यान, बोरसी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं बैगापारा मिनी स्टेडियम में आसपास के वार्ड के बच्चों ने खोखो, फुगड़ी, लंगड़ी दौड़, बांटी, भौंरा आदि खेलों में हिस्सा लिया।

बजरंग दल द्वारा भिलाई में भव्य शस्त्र पूजन एवं विशाल शोभायात्रा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला दुर्ग भिलाई द्वारा 9 अक्टूबर रविवार दोपहर 4:00 बजे , बजरंग दल विभाग संयोजक रवि निगम के नेतृत्व में सुपेला घड़ी चौक हनुमान मंदिर में भव्य शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें विधिवत शस्त्रों की पूजा अर्चना की गई, उसके बाद कई सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित विशाल शोभायात्रा डीजे एवं श्री राम जी के झांकियों से सुसज्जित होकर घड़ी चौक हनुमान मंदिर से संडे मार्केट होकर गदा चौक फिर इंदिरा मार्केट से रावण भाटा होते हुए पुन: घड़ी चौक स्थित हनुमान मंदिर में समापन किया गया, जिसमें सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस बल भी उपस्थित थी, भव्य शस्त्र पूजन, विशाल शोभायात्रा के विषय में कार्यक्रम के नेतृत्वकर्ता बजरंग दल के विभाग संयोजक रवि निगम ने बताया कि - श्री विजय दशमी के अवसर पर हिंदू समाज में शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है , बुराई पर सच्चाई की जीत शस्त्रों से ही प्राप्त हुई थी, सत्य एवं धर्म की लड़ाई के लिए शास्त्र एवं शस्त्र से ही जीत संभव है, इसलिए प्रतीक के तौर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल , हिंदूवादी संगठन एवं सर्व हिंदू समाज विजयदशमी पश्चात भव्य शस्त्र पूजन का आयोजन करता है और प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी बजरंग दल दुर्ग भिलाई द्वारा भव्य शस्त्र पूजन एवं विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बजरंग दल छत्तीसगढ़ प्रांत के रतन यादव जी एवं ज्योति शर्मा जी ने सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन एवं आयोजन का संचालन किया,

इस शस्त्र पूजन में मुख्य रूप से बजरंग दल छत्तीसगढ़ प्रांत के रतन यादव, बजरंग दल विभाग संयोजक रवि निगम , मातृशक्ति ज्योति शर्मा , जिला सहसंयोजक रवि भारती , कुशल तिवारी , वरिष्ठ समाजसेवी शेषनारायण सिंह , अजय सिंह ,सहित आदि लोग उपस्थित थे।

जनता की वर्षो पुरानी मांग हुई पूरी, विधायक ने की पहल

वर्षो से उपेक्षित नवीन कॉलेज ग्राउंड और आईटीआई मैदान हुआ दूधिया रोशनी से रोशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से खुर्सीपार स्थित आईटीआई मैदान और नवीन महाविद्यालय दूधिया रोशनी से रोशन हो गया है। अभी अब यहाँ रात में भी खेल आयोजन होने शुरू होंगे। नवीन महाविद्यालय और आईटीआई मैदान में एलइडी लाइट और फ्लड लाइट लगाया गया है। लाखों की लागत से लगाए गए।

इस फ्लड लाइट और एलईडी लाइट से रात के अंधेरे में जलते पूरे मैदान और आस पास की रौनकता बढ़ गई है। पूरा मैदान रोशनी हो गई है अब यहां रात में भी खेल व अन्य आयोजन किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव समय समय पर खुर्सीपार क्षेत्र का दौरा करते रहते है। वार्ड दौरा व भेंट मुलाकात के दौरान विधायक श्री यादव ने खुर्सीपार क्षेत्र के नागरिकों ने मांग की थी कि जिस तरह से उन्होंने खुर्सीपार श्रीराम चौक मैदान व राजीव गांधी स्टेडियम का संधारण कर उसे एक नया रूप दे दिया है और पूरी सुविधाएं डेवलप कर दी है। उसी प्रकार से इस आईटीआई मैदान व नवीन महाविद्यालय परिषद का सौंदर्यीकरण किया जाए और सभी जरूरी सुविधा डेवलप किया जाए। जनता की मांग पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की और मैदान को पूरी तरह से तैयार करवाया। इससे पूरे खुर्सीपार क्षेत्र के नागरिकों में बहुत ही हर्ष और उमंग उत्साह का माहौल है। क्षेत्र के नागरिकों ने इस पहल के लिए भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव का दिल से आभार व्यक्त किया और ढेर सारी बधाइयां भी दी।

वर्षो पुरानी मांग, उपेक्षित पड़ा था मैदान, असामाजिक तत्वों का लगा रहता था जमावड़ा

आईटीआई मैदान व नवीन महाविद्यालय परिसर वर्षो से उपेक्षित पड़ा हुआ था। यहां देखरेख और सुविधाएं नहीं होने की वजह से कचरा फैला रहता था। क्षेत्र के नागरिक वर्षों से मैदान पर डेवलपमेंट की मांग उठाते रहे लेकिन कभी किसी नेता व अफसर ने ध्यान नहीं दिया। जब क्षेत्र के नागरिकों ने भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव से मैदान डेवलपमेंट की बात की तब इस पर तत्काल पहल की गई और आज पूरा मैदान एक नए रूप में विकसित हो चुका है।

बीएसपी प्रबंधन को बीएमएस की चेतावनीः 45 हजार बोनस पर नहीं बनी बात तो करेंगे बड़ा आंदोलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दीपावली का त्योहार सिर पर है और अभी तक भिलाई इस्पात संयंत्र में कर्मचारियों के बोनस को लेकर कोई निर्णय नहीं आया है। अब इस मामले में प्रबंधन के खिलाफ मान्यता प्राप्त यूनियन भिलाई इस्पात मजदूर संघ ने बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है। रविवार को हुई कार्यकारिणी की बैठक में बीएमएस के कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू एवं महामंत्री रवि शंकर सिंह ने कहा है कि 10 अक्टूबर तक बीएसपी यदि कोई ठोस निर्णय नहीं लेता है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

कार्यकारिणी की बैठक में प्रबंधन द्वारा दुर्गा पूजा के पूर्व वार्षिक बोनस ना दिए जाने की कड़ी आलोचना की गई है। बीएमएस के कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू ने कहा है कि यह प्रबंधन की हठधर्मिता का ही परिणाम है। कर्मियों को उनके हक का बोनस समय पर नही दिया गया जबकि पिछले वर्ष प्रॉफिट कई गुना बढ़ कर 12015 करोड़ का हुआ है। भारतीय मजदूर संघ ने एनजेसीएस यूनियनों के साथ लाए गए प्रस्ताव 45000 पर अपनी सहमति देते हुए प्रबंधन को बोनस एग्रीमेंट का मौका दिया था पर उनके द्वारा अड़ियल रवैया के कारण समझौता ना हो पाना सेल कर्मचारियों के मनोबल को गिराता है।

उन्होंने कहा है कि प्रबंधक द्वारा प्रस्तावित बोनस फॉर्मूले का भिलाई इस्पात मजदूर संघ विरोध करता हैं क्योंकि उसमें 5 वर्ष का एवरेज प्रॉफिट, डीए से लिंक किया जाना, करंट ईयर का प्रॉफिट तथा मार्केटिंग से जोड़कर बना फार्मूला पूरी तरह गलत है। बोनस हमेशा पिछले वर्ष के प्रॉफिट का दिया जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि कर्मचारियों का काम प्रोडक्शन करना है मार्केटिंग का काम अधिकारी वर्ग का है इसलिए इस प्रकार का फार्मूला बनाना है तो उनके लिए बनाया जाना चाहिए।

चन्ना केशवलू ने कहा है कि हमारी मांग 1 महीने की सैलरी की थी। पर सभी यूनियनों द्वारा 45 हजार रुपए की मांग को सही बताया है तो हम भी प्रस्ताव पर उनके साथ है। उन्होंने कहा है कि यदि 10 अक्टूबर को प्रबंधन द्वारा बोनस पर कोई फैसला नही लिया जाता है तो यूनियन उग्र आंदोलन की राह पर जाने को विवश होगी। बैठक में अध्यक्ष आईपी मिश्रा, उपाध्यक्ष देवेन्द्र कौशिक, हरिशंकर चतुर्वेदी, राजेश चौहान, सोम भारती, शारदा गुप्ता, उमेश मिश्रा, कैलाश सिंह, एविसन वर्गीस, संयुक्त महामंत्री रामजी सिंह, सनी ईप्पन, वशिष्ठ वर्मा, अशोक माहौर, महेन्द्र सिंह, धर्मेंद्र धामू, आमृत देवगन, प्रवीन मारडीकर, संजय प्रताप सिंह, रवि चौधरी, श्रीनिवास मिश्रा, सचिव सुरेंद्र चौहान, भूपेंद्र बंजारे, राज अवधेश पाण्डेय, घनश्याम साहू, नारायण सिंह, सुदीप सेनगुप्ता, धनंजय चतुर्वेदी, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950